साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 67 | जौनपुर, शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

अगले वित्तीय वर्ष में 32 लाख करोड़ होगी उत्तर प्रदेश की जीडीपी - सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अगले वित्तीय वर्ष मार्च 2025 तक 32 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी। पूर्ववर्ती सरकारों में राज्य की जीडीपी 12 लाख करोड़ रुपये थी। उनकी सरकार के प्रयासों से वर्ष 2023–24 में यह आंकड़ा 26 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जिसे अब 32 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। योगी ने कहा, पूर्व की सरकारें वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया की नीति अपनाती थीं। हमने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) के माध्यम से उत्तर प्रदेश की ब्रांडिंग की है। लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में बुधवार को योगी ने प्रदेश के विकास के लिए लगातार बढ़ाए जा रहे कदमों की विस्तार से चर्चा की।

64 हजार एकड़ भूमि माफिया से मुक्त कराई

कहा, जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत माफिया के विरुद्ध कार्रवाई पर जोर दिया गया। जिस क्रूरता से अपराधी व माफिया लोगों के साथ व्यवहार करते थे, उसी क्रूरता से राज्य सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करती है। एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स ने प्रदेश में 64 हजार एकड़ भूमि माफिया से मुक्त कराई है। कानून –व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए पुलिस को लगातार अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया जा रहा है। बीते साढ़े सात वर्ष में पुलिस विभाग में विभिन्न पदों पर 1.54 लाख भर्तियां की गई हैं।

40 लाख करोड़ रुपये के निवेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के बदले माहौल का परिणाम है कि ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक एक्सप्रेसवे वाला राज्य भी बना है। वाराणसी में लाजिस्टिक मल्टीमाडल टर्मिनल का निर्माण कराए जाने के साथ ही गौतमबुद्धनगर में लाजिस्टिक हब की भी योजना बनाई जा रही है। यूपी ने 75 जिलों में 75 जीआई टैग प्राप्त किए हैं, जिसमें वाराणसी सबसे आगे है।

कालीन उद्योग आठ हजार करोड़ रुपये का निर्यात

कहा कि निर्यात भी बढ़ा है। मुरादाबाद अब 16 हजार करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात व भदोही का कालीन उद्योग आठ हजार करोड़ रुपये का निर्यात करता है। कहा, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग) व स्किल्ड मैनपावर बड़े निवेश के आधार बनते हैं। उत्तर प्रदेश अब देश की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

अमेरिका हो या चीन कोई भी देश भारत को नजरअंदाज नहीं कर सकता – सीतारमण

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत की प्राथमिकता प्रभुत्व स्थापित करना नहीं बल्कि अपने प्रभाव को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका हो या चीन कोई भी देश आज भारत को नजरअंदाज नहीं कर सकता। सीतारमण ने यहां सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट द्वारा आयोजित ब्रेटन वुड्स एट 80 प्रायोरिटीज फॉर द नेक्स्ट डेकेड' में परिचर्चा के दौरान ये टिप्पणियां कीं। सीतारमण ब्रेटन वुड्स संस्थाओं की वार्षिक बैठकों में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंची थीं। उन्होंने कहा, '' भारत की प्राथमिकता यह दिखाकर अपना प्रभुत्व स्थापित करना नहीं है कि भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, हमारी जनसंख्या सबसे अधिक है। बल्कि हमारा लक्ष्य अपना प्रभाव बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि दुनिया में हर छह में से एक व्यक्ति भारतीय है, आप हमारी अर्थ व्यवस्था और जिस तरह से यह बढ़ रही है, उसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। भारत क्या मार्गदर्शन की स्थिति में इस सवाल पर उन्होंने प्रौद्योगिकी में देश की अग्रणी भूमिका का जिक्र किया।

पंचायती राज संस्थाओं में वैसी व्यवस्था हो होनी चाहिए, जो राज्य सरकार की होती है – नीतीश

पटना, एजेसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को रिमोट के जरिए पंचायती राज विभाग के अंतर्गत 7,180 करोड़ रुपये की लागत की 2,615 पंचायत सरकार भवन एवं राज्य पंचायत संसाधन केंद्र, सोनपुर के भवन का शिलान्यास किया। इसके साथ ही 13 जिला पंचायत संसाधन केंद्रों, 65 पंचायत सरकार भवन, ई–ग्राम कचहरी कोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम तथा जिला परिषद पोर्टल का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा शुरू से ही पंचायत सरकार भवन बनाने पर जोर है। हमारा कॉन्सेप्ट है कि पंचायती राज संस्थाओं में वैसी व्यवस्था

हो जो राज्य सरकार की होती है, इसलिए हमने इन भवनों को पंचायत भवन न कहकर पंचायत सरकार भवन कहा है। हमने प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत सरकार भवन बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि शुरू में 330 पंचायत सरकार भवन बनाए गए। आज पंचायत सरकार भवन के शिलान्यास के बाद राज्य के 8,063 पंचायत भवनों में से 6,868 भवन स्वीकृत कर दिए गए हैं। इनमें से 1,548 पूर्ण हो गए हैं एवं शेष निर्माणाधीन हैं। अब बचे हुए 1,195 पंचायत सरकार भवन के लिए उपयुक्त भूमि की तलाश की जा रही है। पंचायत सरकार भवन में केवल पंचायत से जुड़ा काम ही नहीं होता है बल्कि दूसरे विभागों का भी काम होता है। मुख्यमंत्री ने जून, 2025 तक सभी पंचायतों में पंचायत सरकार भवन का निर्माण पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि पंचायत सरकार भवन का रखरखाव बेहतर ढंग से किया जाए। जिला स्तर पर भी 13 जिला पंचायत संसाधन केंद्रों का भी उद्घाटन किया गया है। सोनपुर में राज्य स्तरीय संसाधन केंद्र का शिलान्यास भी किया गया है।

भारत-चीन सीमा समझौते पर देर- सवेर समाधान निकल ही आएगा - राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज चाणक्य रक्षा संवाद 2024 को संबोधित किया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत और चीन एलएसी के साथ कुछ क्षेत्रों में अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए कूटनीतिक और सैन्य दोनों स्तरों पर बातचीत कर रहे हैं। समान और पारस्परिक सुरक्षा के सिद्धांतों के आधार पर जमीनी स्थिति को बहाल करने के लिए व्यापक सहमति हासिल की गई है। हासिल की गई सहमति में पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त और चरागाह शामिल है। यह निरंतर बातचीत में संलग्न होने की शक्ति है क्योंकि देर–सवेर समाधान निकल ही आएगा। इस सप्ताह की शुरुआत में, भारत ने सैन्य गतिरोध को समाप्त करने में एक बड़ी सफलता की घोषणा की, जिसकी बाद में चीनी पक्ष ने पुष्टि की।

हाल के समय में सबसे लंबे समय तक चले सैन्य गतिरोध को समाप्त करने के लिए भारत और चीन ने इस सप्ताह जो ऐतिहासिक समझौता किया था, उसे बुधवार को मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से अंतिम मंजूरी मिल गई, क्योंकि दोनों ने पांच साल के अंतराल के बाद कजान में द्विपक्षीय बैठक की और इस समझौते का समर्थन किया। भारतीय पक्ष के अनुसार, इससे वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति और आसान हो जाएगी। राजनाथ ने कहा कि पूरे इतिहास में, चाहे पूंजीवाद से पहले का समाज हो या आधुनिक समय, मानवता का प्राथमिक प्रयास अपने भौतिक कल्याण को बढ़ाना और मजबूत करना रहा है। यहां तक कि आधुनिक अर्थशास्त्र के जनक एडम स्मिथ ने भी अर्थशास्त्र को धन के विज्ञान के रूप में परिभाषित किया है।

उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में, कंप्यूटर सूचना प्रौद्योगिकी, उपग्रह संचार और अब, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्वांटम कंप्यूटिंग में प्रगति वैश्विक अर्थव्यवस्था को बदल रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इन नवाचारों ने, अन्य जटिल आर्थिक ताकतों के साथ मिलकर, एक अत्यधिक परस्पर संबद्ध और गतिशील आर्थिक परिदृश्य तैयार किया है।

संक्षिप्त खबरें

ओडिशा, बंगाल में सामान्य जनजीवन प्रभावित

कोलाकाता, एजेसी। चक्रवात दाना ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में सामान्य जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, क्योंकि शहर में तेज हवाएँ और भारी बारिश हो रही है। चक्रवात के कारण पूरे क्षेत्र में कई सेवाएँ निलंबित हो गई हैं और बड़ी बाधाएँ आई हैं। राज्य की राजधानी में वाहनों की आवाजाही कम देखी गई, जबकि शहर के बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बस टर्मिनल, हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन पर कुछ लोग देखे गए। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के उप महानिरीक्षक मोहसेन शाहेदी ने कहा कि गंभीर चक्रवाती तूफान दाना के आने की तैयारी के लिए ओडिशा में 20 टीमें और पश्चिम बंगाल में 17 टीमें तैनात की गई हैं। अधिकारियों ने निवासियों से घर के अंदर रहने और जब तक बहुत जरूरी न हो, बाहर न निकलने का आग्रह किया है। आपातकालीन टीमें हाई अलर्ट पर हैं और राज्य सरकार ने किसी भी संभावित संकट से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया है। जिससे शहरों के बीच संपर्क प्रभावित हुआ है। इसके अलावा, बीजू पटनायक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है, जिससे यात्रियों को असुविधा हो रही है।

हेमंत सरकार के भ्रष्टाचार की लंका का जनता दहन करेगी - शिवराज सिंह चौहान

झारखंड, एजेसी। केंद्रीय मंत्री और झारखंड में भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को राज्य के सीएम हेमंत सोरेन तिवारी के नामांकन के बाद चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड में ऐसी सरकार है, जिसने बालू से लेकर पत्थर और

और उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर जुबानी हमले किए। गढ़वा में पार्टी प्रत्याशी सत्येंद्र नाथ कोयला से लेकर पानी तक का घोटाला किया है। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने नौकरियों तक का गबन किया है। हेमंत सोरेन ने कहा था कि पांच लाख नौकरियां देंगे, उन्होंने अपने पिता की कसम खाई थी। लेकिन, नौकरियों के नाम पर ऐसा बवाल मचाया कि 20 लोगों की जान चली गई। माता–पिता अपने नौजवान बेटों का इंतजार करते रह गए। वे नौकरी नहीं, कफन लेकर आए। चौहान ने कहा कि गढ़वा से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी मिथिलेश ठाकुर ने हेमंत सोरेन की सरकार में मंत्री रहते हुए रावण की तरह भ्रष्टाचार की लंका खड़ी कर ली। इस चुनाव में जनता उनकी लंका जलाने को तैयार है। उन्होंने मंत्री की तुलना कुंभकर्ण से करते हुए कहा कि वह साल में छह महीने सोता था और छह महीने खाता था, लेकिन आपके मंत्री बारह महीने खाते रहते हैं। वह कभी बालू खाते हैं, कभी पत्थर, तो कभी कोयला। वे केंद्र सरकार की ओर से भेजा गया जल जीवन मिशन योजना का 5,500 करोड़ रुपए खा गए। उन्होंने जेल में बंद झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम का जिक्र करते हुए कहा कि उनके पीए के नौकर के घर से करोड़ों मिले। इसी तरह झारखंड के कांग्रेस सांसद के पास से 350 करोड़ मिला। ये पैसे झारखंड के संसाधनों को लूटकर इकट्ठा किए गए थे। यही वजह है कि उनके खिलाफ ईडी के छापे पड़े हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता बालू के लिए तरस रही है। पीएम आवास बनाने के लिए बालू नहीं मिल रहा। हेमंत सोरेन ने वादा किया था कि लोगों को मुफ्त बालू मिलेगा।

कांग्रेस में दलितों और पिछड़ों का नहीं होता कोई सम्मान – हिमंत बिस्वा सरमा

रांची, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पर मल्लिकार्जुन खड़गे के अपमान का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में दलितों की स्थिति क्या है, ये बात किसी से छिपी नहीं है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हमने ये बताया है कि कांग्रेस के अंदर दलितों की स्थिति क्या है। एक तरफ तो राहुल गांधी ये बताते हैं कि कांग्रेस दलितों के साथ खड़ी है और दूसरी ओर वे अपनी पार्टी के नेताओं को अपमानित करते हैं। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस में दलितों और पिछड़ों को कोई सम्मान नहीं मिलता है। राहुल गांधी सिर्फ ढोंग और ड्रामा करते हैं। प्रियंका के नामांकन के दौरान खड़गे के साथ जो हुआ है, उसके बाद जनता उनसे वाकिफ हो गई है और कांग्रेस के चेहरे पर लगा नकाब भी

हट गया है। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने हेमंत सोरेन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कोई आंदोलन होता है, तभी लोग जेल जाते हैं। मैं हेमंत सोरेन से सिर्फ इतना ही कहूंगा कि उन्हें पहले लोगों को ये बताना चाहिए कि वो जेल क्यों गए थे। क्या वे झारखंड में आंदोलन की वजह से जेल गए थे? उन्हें पहले इसका जवाब देना चाहिए, क्योंकि कल को आलमगीर आलम भी यही बात बोल सकते हैं। उन्होंने हुसैनाबाद का नाम बदलने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा की पवित्र धरती पर हुसैनाबाद का नाम क्यों जरूरी है? मेरा मानना है कि हुसैना बाद नाम कहीं और हो सकता है।

भारत और आस्ट्रेलिया शिक्षा के क्षेत्र में बहुत कुछ हासिल सकते हैं – मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया भारत में अपने विश्वविद्यालयों के परिसर स्थापित करेगा। इस विषय पर दोनों देशों के बीच लगातार वार्ता भी जारी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर के साथ द्विपक्षीय बैठक की। यहां प्रधान ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा में सहयोग भारत– ऑस्ट्रेलिया संबंधों का आधार है। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य भारत की शिक्षा प्रणाली को योग्यता आधारित ढांचे में बढ़ाना है, जिसमें भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में उल्लिखित कौशल आधारित शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच स्थायी संबंध और एनईपी 2020 द्वारा संचालित शिक्षा सहयोग में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि भारत में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय परिसरों की स्थापना केवल शुरुआत है और इसमें बहुत कुछ हासिल करने की संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर ज्ञान को आगे बढ़ा सकते हैं। वैश्विक चुनौतियों के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठा सकते हैं। छात्रों के लिए नवाचार और उद्यमिता के अनंत अवसरों का सृजन कर सकते हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर एमपी ने एक बेहतर शिक्षा प्रणाली के महत्व पर जोर दिया जो सिर्फ जीवन ही नहीं बदल सकती, बल्कि यह राष्ट्रों को भी बदल सकती है। भारत की शिक्षा प्रणालियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि 2035 तक दुनिया भर में विश्वविद्यालय की डिग्री प्राप्त करने वाले चार में से एक व्यक्ति को डिग्री भारत से मिलेगी। उन्होंने बताया कि कैसे डेकिन जैसे ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय 30 वर्षों से भारत में है। उन्होंने भारत में एक कंसोर्टियम परिसर के लिए विकल्प तलाशने के लिए छह नवाचार अनुसंधान विश्वविद्यालयों द्वारा किए जा रहे कार्य की भी प्रशंसा की। इन चर्चाओं के दौरान धर्मेंद्र प्रधान ने विदेश मामलों के सहायक मंत्री टिम वाट्स एमपी से भी भेंट की। प्रधान ने ऑस्ट्रेलिया की विक्टोरिया की प्रीमियर जैसिंटा एलन से मुलाकात की।

क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का हो सम्मान - जयशंकर

नई दिल्ली, एजेसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के कजान में ब्रिक्स सम्मेलन में कहा कि संघर्षों और तनाव से प्रभावी तरीके से निपटना आज के समय की विशेष जरूरत है। उन्होंने कहा कि संवाद और कूटनीति से विवादों और मतभेदों का समा धान निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बार सहमति हो जाए तो ईमानदारी से उसका पालन होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून का बिना किसी अपवाद के पालन होना चाहिए। विदेश मंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने वाला रुख होना चाहिए। एस जयशंकर ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष और फैलने को लेकर व्यापक चिंताएं हैं। उन्होंने कहा कि हम कठिन परिस्थितियों में मिल रहे हैं, विश्व को दीर्घकालिक चुनौतियों पर नए सिरे से सोचने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अतीत की कई असमानताएँ भी जारी हैं। वास्तव में, उन्होंने नए

रूप और अभिव्यक्तियाँ ग्रहण की हैं। हम इसे विकासात्मक संसाधनों और आधुनिक तकनीक और दक्षताओं तक पहुँच में देखते हैं। हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि वैश्वीकरण के लाभ बहुत असमान रहे हैं। इन सबके अलावा, कोविड महामारी और कई संघर्षों ने वैश्विक दक्षिण द्वारा वहन किए जाने वाले बोझ को और बढ़ा दिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य, खाद्य और ईंधन सुरक्षा की चिंताएँ विशेष रूप से तीव्र हैं। भविष्य के शिखर सम्मेलन ने रेखांकित किया कि दुनिया एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी पीछे रह जाने के वास्तविक खतरे में है। उन्होंने सवाल किया कि हम इस विरोधाभास को कैसे सुलझाएँगे? और यह सुनिश्चित करेंगे कि परिवर्तन का लाभ उन लोगों तक पहुँचे जो वर्तमान में पीछे रह गए हैं? हम एक अधिक न्यायसंगत वैश्विक व्यवस्था कैसे बना सकते हैं? कि सबसे पहले, स्वतंत्र प्रकृति के प्लेटफॉर्म को मजबूत और विस्तारित करके। और विभिन्न डोमेन में विकल्पों को व्यापक बनाकर और उन पर अनुचित निर्भरता को कम करके जिनका लाभ उठाया जा सकता है। यह वास्तव में वह जगह है जहाँ ब्रिक्स वैश्विक दक्षिण के लिए बदलाव ला सकता है। दूसरा, स्थापित संस्थाओं और तंत्रों में सुधार करके, विशेष रूप से स्थायी और अस्थायी श्रेणियों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद। इसी तरह बहुपक्षीय विकास बैंकों में भी सुधार किया जाना चाहिए, जिनकी कार्य–प्रणाली संयुक्त राष्ट्र की तरह ही पुरानी है। भारत ने अपने जी–20 प्रेसीडेंसी के दौरान एक प्रयास शुरू किया था और हमें खुशी है कि ब्राजील ने इसे आगे बढ़ाया है। तीसरा, अधिक उत्पादन केंद्र बनाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था का लोकतंत्रीकरण करना। कोविड का अनुभव अधिक लचीली, निरर्थक और छोटी आपूर्ति श्रृंखलाओं की आवश्यकता की तीखी याद दिलाता है। आवश्यक आवश्यकताओं के लिए, प्रत्येक क्षेत्र वैध रूप से अपनी उत्पादन क्षमताएँ बनाने की आकांक्षा रखता है।

संपादकीय

कानून और व्यवस्था के लिए समस्या

मानव स्वास्थ्य और भलाई के लिए प्रमुख खतरों में, हिंसा को शायद ही कभी सूचीबद्ध किया जाता है। इसे ज़्यादातर कानून और व्यवस्था की समस्या के रूप में देखा जाता है जब यह किसी देश के भीतर होती है या युद्ध के रूप में जब यह देशों के बीच संघर्ष होता है। आतंकवाद, जिसकी उत्पत्ति घरेलू या विदेशी हो सकती है, हिंसा का भी परिणाम होता है, जो पुलिस या सैन्य प्रतिक्रिया को आमंत्रित करता है। जबकि डॉक्टरों और नर्सों को हिंसा के पीड़ितों का इलाज करने के लिए बुलाया जाता है, चिकित्सा पेशे को शायद ही कभी किसी समुदाय में होने वाली हिंसा के परिमाण और प्रमुख कारणों की पहचान करने में लगाया जाता है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी समय-समय पर दुनिया भर में विभिन्न स्वास्थ्य विकारों के कारण होने वाली मौतों और विकलांगता के विभिन्न कारणों का अनुमान लगाती है। यह रिपोर्ट करती है कि चोटों (समय से पहले मृत्यु या लंबे समय तक विकलांगता) के कारण कुल बीमारी का बोझ पिछले तीन दशकों में दुनिया भर में बढ़ गया है और 2020 में 247.7 मिलियन विकलांगता-समायोजित जीवन वर्षों का नुकसान हुआ है। तब से घरेलू और क्षेत्रीय संघर्षों के बढ़ते स्तरों के साथ, चोटों के कारण बीमारी का बोझ 2023 में और भी अधिक होने की संभावना है (अभी तक रिपोर्ट नहीं की गई है)। हालांकि, ये अनुमान वास्तविकता से कम होने की संभावना है, क्योंकि हिंसा के कई मामले पुलिस को रिपोर्ट नहीं किए जाते हैं, जो ऐसे डेटा को बनाए रखते हैं और रिपोर्ट करते हैं। घरेलू हिंसा, सड़क पर झगड़े और स्कूल में बदमाशी से होने वाली चोटें चोट के उन कारणों में से हैं जो पुलिस के ध्यान में नहीं आ सकते हैं। एसिड अटैक, यौन अपराध और आपराधिक जबरन वसूली के पीड़ित भी अक्सर पुलिस को रिपोर्ट करने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों से संपर्क न करने की धमकी दी जाती है। किसी भी कारण से होने वाली हिंसा केवल व्यक्तिगत चिंता का विषय नहीं है। न ही यह केवल पुलिस द्वारा संभाली जाने वाली समस्या है जो अपराधियों को पकड़ने और उन पर आपराधिक मुकदमा चलाने का प्रयास करती है। पुनरावृत्ति के जोखिम को कम करने के लिए समुदाय में हिंसा के कारणों की पहचान की जानी चाहिए। यह सच है कि कारण घरेलू या सांप्रदायिक, राजनीतिक या संपत्ति से संबंधित हैं। हिंसक कृत्यों को रोकने और कमजोर पीड़ितों की रक्षा करने के लिए हिंसा के स्तर, पीड़ितों के प्रकार और साथ ही मुख्य कारणों की पहचान की जानी चाहिए। हालांकि, इस प्रयास के लिए हिंसा से संबंधित डेटा जितना संभव हो उतना पूर्ण और स्थान-विशिष्ट होना चाहिए। यदि चोट गंभीर है, तो पीड़ित के चिकित्सा सहायता लेने की संभावना है, जबकि पुलिस को घटना के बारे में पता भी नहीं हो सकता है। यह देखा गया कि अस्पताल के आपातकालीन विभाग में रिपोर्ट की गई घटनाओं में से केवल 23 प्रतिशत ही उसी अवधि में एवन और समरसेट के क्षेत्र में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज की गईं। इस बात से चिंतित कि डेटा विसंगति का इतना उच्च स्तर समस्या की भयावहता को कम आंकने और डेटा ब्लाइंड स्पॉट की ओर ले जा सकता है जो रोकथाम के उपायों को बाधित कर सकता है, कार्डिफ, यूके में एक नई पहल शुरू की गई। यह हिंसा से संबंधित चोटों के पुलिस रिकॉर्ड को अस्पतालों में दर्ज किए गए रिकॉर्ड के साथ मिलाता है और हिंसा से संबंधित चोटों का सामना करने वाले लोगों की संख्या का अधिक पूर्ण अनुमान प्राप्त करने और मुख्य कारणों की यथासंभव सटीक सूची बनाने के लिए संयोजित करता है। यह पहल कोयला खनिकों की हड़ताल और फुटबॉल मैचों के आसपास झड़पों से संबंधित हिंसा की घटनाओं से भी प्रेरित थी। घायल लोगों और अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों के पुलिस रिकॉर्ड के बीच विसंगतियों के कारण 1980 के दशक की शुरुआत में मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में प्रशिक्षु डॉ. जोनाथन शेपर्ड ने एक कार्यक्रम शुरू किया, जिसे 1997 से कार्डिफ मॉडल फॉर वायलेंस प्रिवेंशन के नाम से जाना जाता है। कार्डिफ मॉडल स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, पुलिस और स्थानीय समुदाय को एक साथ लाता है। स्वास्थ्य सेवा से संबंधित सेटिंग्स (जैसे अस्पताल) में, हिंसा से संबंधित चोट के डेटा एकत्र किए जाते हैं। इनमें आपातकालीन कक्ष के कर्मचारियों द्वारा एकत्र की गई चोट का स्थान, समय, तिथि और तंत्र (हमले का प्रकार और हथियार) शामिल हैं। गोपनीयता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हिंसा के पीड़ितों को संभावित नुकसान से बचाने के लिए, अन्य व्यक्तिगत पहचानकर्ता (नाम, जन्म तिथि, सामाजिक सुरक्षा संख्या) डेटाबेस से हटा दिए जाते हैं, जिन्हें पुलिस डेटाबेस के साथ मिलान और विलय किया जाएगा। संयुक्त डेटाबेस का विश्लेषण हिंसक घटनाओं की भयावहता और पैटर्न की पहचान करने के लिए किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप चोट लगती है। विश्लेषण किए गए डेटा को स्थानीय समुदाय के साथ साझा किया जाता है, जिसमें पुलिस और स्वास्थ्य सेवा प्रदाता दोनों सामुदायिक बोर्डों के साथ बातचीत करते हैं। भविष्य की घटनाओं की भविष्यवाणी करने की रणनीति ट्रिगर्स, पैटर्न और स्थानीय हॉटस्पॉट को पहचान कर एक साथ विकसित की जाती है। मॉडल का मूल्यांकन किया गया है और शहरी हिंसा और परिणामी चोटों को कम करने में प्रभावशाली साबित हुआ है। कार्डिफ में, संयुक्त डेटा द्वारा पहचाने गए हॉटस्पॉट को शामिल करने के लिए साप्ताहिक आधार पर पुलिस गश्ती मार्गों को समायोजित किया गया था।

आखिर क्यों झुकता दिख रहा चीन?

उमेश

लद्दाख सीमा पर गश्ती को लेकर भारत और चीन के बीच सहमति बन तो गई है, लेकिन उस पर आंख मूंदकर भरोसा करना जल्दबाजी और नासमझी होगी। अतीत में चीन के रवैये को देखते हुए भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यह कहना समीचीन ही है कि भरोसा बहाली में समय लगेगा। रूस-यूक्रेन और इजराइल -हिजबुल्ला संघर्ष के संदर्भ में भारत और चीन के बीच हुए इस समझौते को बेहतर परिणति ही माना जाना चाहिए। 15 और 16 जून 2020 की रात को बिना हथियारों के भारतीय सैनिकों ने लाल सेना के भले ही दांत खट्टे कर दिए, लेकिन भारतीय विपक्षी दलों ने उस मौके को उत्तेजना की राजनीति के लिए बेहतर मौके के रूप में लिया था। महज एक साल पहले ही तमिलनाडु में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की चर्चित मुलाकात का हवाला देते हुए विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की थी। उनकी मंशा चीन के साथ सीधा युद्ध करने के लिए सरकार को उकसाना रहा। बेशक 1962 जैसी स्थिति नहीं रही। तब से लेकर भारत ने सैनिक और आर्थिक मोर्चे पर लंबा सफर तय कर लिया है। वहीं चीन इस अवधि में दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आर्थिक मोर्चे के लिहाज से देखें तो भारत पांचवें नंबर पर है और सैनिक ताकत के लिहाज से देखें तो चौथे नंबर है। चीन दुनिया के तीसरे नंबर की सैन्य शक्ति है। ऐसे में सीधी सैनिक कार्रवाई की अपनी सीमाएं थीं। इसलिए विपक्षी दलों के तमाम उलाहनों और उकसावों के बावजूद मोदी सरकार

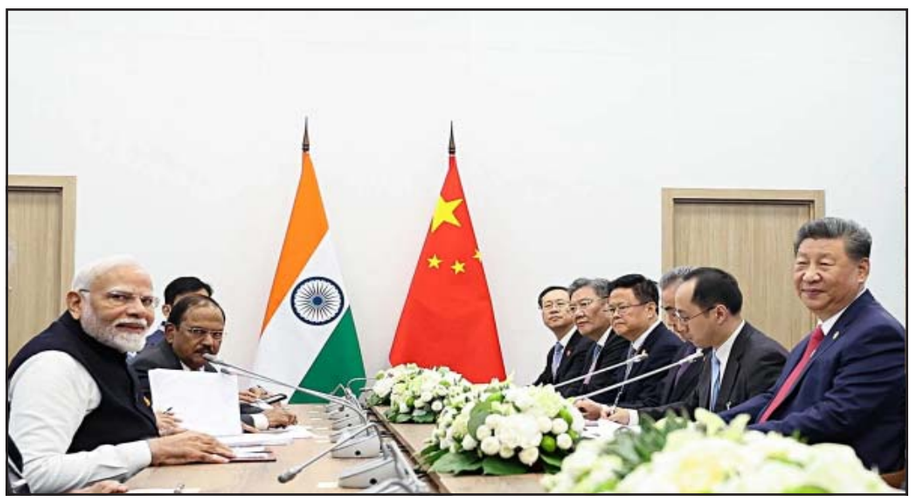

ने कूटनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर चीन को घेरना शुरू किया। इसका मतलब यह नहीं कि सीमा पर सैन्य चौकसी कम की गई या सेना को कार्रवाई की छूट नहीं दी गई। गलवान के बाद जब भी जरूरत पड़ी, आधुनिक हथियार विहीन हमारे सैनिकों ने लाल सेना को आगे बढ़ने नहीं दिया। गलवान कांड के बाद भारत ने चीन के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए। उसमें सबसे पहला कदम यह रहा कि चीन के लिए सीधी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। गलवान कांड के बाद से ही पड़ोसी होने के बावजूद दोनों देशों के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। इस बीच चीन को आर्थिक मंदी का भी सामना करना पड़ा है। चीन को लगता है कि अगर भारत के साथ उसके कारोबारी रिश्ते बढ़ेंगे, तभी वह आर्थिक मोर्चे पर आगे रह सकता है। इसके लिए सीधी उड़ानें एक बड़ा जरिया हो सकती हैं। इसलिए सीमा पर विवाद के बावजूद वह भारत पर गाहे-बगाहे सीधी उड़ान सेवा बहाल करने के लिए कहता रहा है। वह यात्रियों के लिए सीधी उड़ान के साथ ही उनकी संख्या बढ़ाने पर भी जोर देता रहा है। लेकिन भारत ने इसकी लगातार उपेक्षा की। भारत ने एक और कड़ा कदम उठाया। चीन के लिए सख्त वीजा नियम लागू कर दिए। चीनी नागरिकों के लिए सख्त वीजा नियम होने की वजह से चीन के विशेष इंजीनियरों और तकनीशियनों की भारत में आवाजाही पर एक तरह से पाबंदी ही लग गई। इसकी वजह से चीनी आर्थिक गतिविधियों में कमी आई। इसके साथ ही भारत ने चीनी कंपनियों के निवेश पर भी कठोर नियम लागू कर दिए। गलवान कांड के तुरंत बाद भारत सरकार ने पड़ोसी देशों की कंपनियों के भारतीय निवेश की जांच प्रक्रिया में पुनरीक्षण और सुरक्षा मंजूरी की एक अतिरिक्त शर्त जोड़ दी। एक तरह से पड़ोसी देशों की कंपनियों के लिए नियम सख्त कर दिए गए। इसका सबसे ज्यादा असर चीनी कंपनियों पर पड़ा। इसकी वजह से भारतीय बाजार में चीनी कंपनियों द्वारा किए जाने वाले अधिग्रहण और निवेश पर लगाम लग गई। इसकी वजह से गलवान कांड के बाद से ही चीनी कंपनियों द्वारा प्रस्तावित अरबों डालर के निवेश की प्रक्रिया अटक गई। जिसका सीधा असर चीन की कंपनियों पर पड़ा और उन्हें आर्थिक दिक्कतें झेलनी पडीं।

गलवान कांड के बाद भारत ने जो बड़ा कदम उठाया था, उसकी बड़ी चर्चा हुई थी। चीन की मोबाइल कंपनियों और एप्स की भारत में गलवान कांड के बाद बड़ी पहुंच बन गई थी। गलवान कांड के तुरंत बाद भारत ने डाटा और गोपनीयता की शर्तों के उल्लंघन का हवाला देते हुए चीन करीब 300 चीनी मोबाइल एप्स पर पाबंदी लगा दी थी। इसके बाद साल 2023 में मोदी सरकार ने चीन की स्मार्टफोन कंपनी विवो कम्युनिकेशन टेक्नॉलॉजी पर वीजा नियमों का उल्लंघन करने और 13 अरब डॉलर की धनराशि की हेराफेरी का आरोप लगाया था। जिसकी वजह से विवो के भारतीय बाजार पर बड़ा असर पड़ा। इसके साथ ही सरकार ने चीन की दूसरी बड़ी मोबाइल उत्पादक कंपनी शाओमी के खिलाफ कार्रवाई की। शाओमी पर आरोप लगा कि उसने विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून का उल्लंघन किया है। जांच में यह सही पाया गया और सरकार ने कार्रवाई करते हुए उसकी भारत स्थित करीब 60 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्तियों को जब्त कर लिया। इससे चीन के मोबाइल कारोबार को भारत में बड़ा झटका लगा। वैसे चीन को यहां तक लाने में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बातचीत की बड़ी भूमिका रही है। चीनी विदेश मंत्री चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के वरिष्ठ सदस्य हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक, वांग यी का मानना है कि संघर्षशील दुनिया के बीच दो प्राचीन पूर्वी सभ्यताओं और उभरते विकासशील देशों के रूप में चीन और भारत को अपनी स्वतंत्रता पर मजबूती से खड़ा रहना, लेकिन दोनों के बीच एकता और सहयोग भी होना चाहिए। वांग यी ने ही चीन को यह सुझाव दिया कि दोनों पड़ोसी देशों को एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए। माना जा रहा है कि भारत और चीन के बीच करीब तीन चौथाई समस्याओं को खत्म कराने में रूसी राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन का भी योगदान है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस, चीन के काफी करीब आया है। हालांकि उसने एक बात जरूर की है कि उसने भारत-चीन के रिश्तों में आई खटास के मद्देनजर कभी-भी चीन का साथ नहीं दिया, बल्कि भारत से अपनी पुरानी दोस्ती को बनाए रखा।

गांदरबल हमला चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण घटना

ललित

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में 20 अक्टूबर रविवार रात को आतंकवादियों ने जिस तरह टारगेट किलिंग से एक कंस्ट्रक्शन प्रॉजेक्ट में काम कर रहे लोगों को निशाना बनाया, वह कई लिहाज से गंभीर, चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण घटना है। यह आतंक का अंधेरा फैलाने एवं अमन के उजाले को लीलने की गहरी साजिश है। यह जहां आतंकवादियों की बौखलाहट की निष्पत्ति है वहीं उनकी बदली प्राथमिकताओं की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। राज्य में टारगेट किलिंग की यह कोई नई घटना नहीं है बल्कि हाल ही के वर्षों में सुरक्षा बलों के कैम्पों से लेकर प्रवासी मजदूरों के घरों एवं कश्मीरी पंडितों पर ऐसे टारगेट किलिंग हमले होते रहे हैं जिसके पीछे आतंकी संगठनों की हताशा ही दिखाई देती है। टारगेट किलिंग पाकिस्तान की कश्मीर में अशांति एवं आतंक फैलाने की नई साजिश है। अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद से ही टारगेट किलिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2022 और 2023 में आतंकियों ने न केवल कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया बल्कि प्रवासी मजदूरों की भी लक्षित हत्याएं की। चुनाव में बाधा डालने के उनके तमाम प्रयास निष्फल हो जाने, लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक होने और इनमें लोगों की भागीदारी के भी रेकॉर्ड बनने से आतंकवादी हताश एवं निराश हो गये। पाकिस्तान बौखला गया। अब आतंकी तत्वों ने जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के गठित होते ही इस बड़े हमले को अंजाम देकर यह जताने का प्रयास किया है कि वे जनादेश के तहत बनी इस सरकार की राह में अड़ंगा डालने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे, अशांति एवं आतंक फैलाते रहेंगे। लेकिन इन चुनौतियों को निस्तेज करने के लिये प्रांत एवं केन्द्र सरकार को कमर कसनी होगी। सुरक्षा बलों को नये तेवर दिखाने होंगे। लक्षित हत्याएं न केवल पीड़ितों और उनके परिवारों को अपूरणीय क्षति पहुंचाती हैं, बल्कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति को बढ़ावा देने के प्रयासों को भी गहरा झटका देती हैं। ये हत्याएं न केवल जम्मू-कश्मीर के समाज के विविध ताने-बाने को कमजोर करती हैं, बल्कि घाटी में रहने वाले गैर-स्थानीय और अल्पसंख्यक समुदायों में असुरक्षा भी पैदा करती हैं। ये हत्याएं विकास को अवरूद्ध करती है, बल्कि उद्योग, व्यापार, पर्यटन एवं सौहार्द को भी खण्डित करती है। सुरक्षा बलों पर विभाजनकारी एवं आतंकी ताकतों के खिलाफ अपना दृढ़ रुख बनाए रखने का दायित्व है, जिसे संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने में स्थानीय लोगों के सक्रिय सहयोग से बल मिलता है। जबकि घाटी में शांति ने प्रगति की है, इस नाजुक संतुलन को बाधित करने के किसी भी प्रयास का सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों, दोनों द्वारा कड़ा विरोध किया जाना चाहिए। कश्मीर में लम्बे समय से अमनचौन एवं शांति के साथ विकास की गंगा प्रवहमान रही है। सुरक्षा बलों की सतर्कता से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में आई कमी और आम जनजीवन पर उनके घटते असर से चिंतित आतंकी आकाओं ने आम चुनावों के दरम्यान अपनी सक्रियता बढ़ा दी, लेकिन वे कुछ कर नहीं पाये। अब मौका मिलते ही उन्होंने ऐसे इलाकों को चुना है जहां सुरक्षा बलों की तैनाती कम और मुश्किल थी। टारगेटेड अटैक के जरिए बाहरी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि उनमें घबराहट फैले, अफरा-तफरी मचे और पर्यटकों का आना कम हो। इसीलिये आतंकियों ने इस बार हमले के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच बनाई जा रही जेड-मोड टनल का काम कर रहे लोगों को चुना गया। यह टनल न केवल जम्मू-कश्मीर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रणनीतिक तौर पर भी खासी अहमियत रखती है। इसके निर्माण से श्रीनगर और करगिल के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और श्रीनगर व लेह के बीच की यात्रा में लगने वाला समय कम हो जाएगा। यही नहीं, इस टनल के जरिए पर्यटकों के पसंदीदा शहर सोनमर्ग की हर मौसम में सुविधाजनक पहुंच भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

गांदरबल का हमला आतंकियों की एक बड़ी सफलता है, कश्मीर में आतंक- अशांति फैलाने और विकास की गति को अवरूद्ध करने की साजिश है। जाहिर है, पाकिस्तानी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के बाद पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर घाटी में एक बड़ी आतंकी घटना को सफलतापूर्वक अंजाम दे दिया जाना हमारे लिये चिन्ता के साथ चेतावनी भी है। यह घटना चेता भी रही है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निर्वाचन क्षेत्र गांदरबल में केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे टनल प्रोजेक्ट में कार्यरत सात प्रवासी श्रमिकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी। मृतकों में एक स्थानीय डॉक्टर भी शामिल था। मरने वालों में पंजाब, बिहार और कठुआ के रहने वाले मजदूर शामिल हैं। कई श्रमिकों के घायल होने की खबर है जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। ये सभी श्रमिक काम खत्म करने के बाद मेस में खाना खाने बैठे थे। तभी आतंकवादियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। निश्चितरूप से यह आतंकवादियों की कायराना एवं शर्मनाक करतूत है। इस घटना से चार दिन पहले शोपियां में बिहार के एक मजदूर की हत्या कर दी थी। ये हत्याएं आतंकवाद की अंधाधुंध हिंसक एवं आतंकी प्रकृति को उजागर करती हैं जो अपने रास्ते में किसी को भी नहीं छोड़ते। निर्दोष नागरिकों की बेवजह हत्या किसी एक परिवार के किसी प्रियजन को ही नहीं छीनता बल्कि उन लोगों में भी खौफ पैदा करता है जो आतंकवाद की छाया में भी रोजी-रोटी कमाने के लिए जम्मू-कश्मीर में मजदूरी करते हैं।

क्या नई सरकार का गठन आतंकवादियों के लिये सहूलियत भरा है? ऐसा है तो इसके सन्देश को समझना होगा। स्वयं उमर अब्दुल्ला सरकार एवं नेशनल कांफ्रेन्स को इसे गलत साबित करते हुए आतंकवादियों के खिलाफ सख्त होना होगा। एक बड़ा प्रश्न है कि जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद वहां सक्रिय आतंकवादियों और अलगाववादी ताकतों के हौसले एकाएक बुलंद क्यों हो गये? गौरतलब है कि जब जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेन्स को बहुमत मिला था तो कश्मीर घाटी में इस जीत की खुशी में आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। यहां तक की पाकिस्तान के झंडे भी लहराए गए थे। ऐसा क्यों हुआ? इस तरह आतंकियों के हौसलें बुलन्द होना नवगठित सरकार एवं वहां की जनता के लिये गहन चिन्ता का विषय होना चाहिए। भले ही हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफ है इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है। सबसे बड़ी बात यह कि अब आतंक के खिलाफ उठे इन स्वरों में जम्मू-कश्मीर के लोगों की नुमाइंदगी कर रही आवाजें भी शामिल हैं।

सम्मिलित सुनियोजित प्रयासों से जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद के बचे-खुचे निशानों से भी मुक्त करने का लक्ष्य अब पहुंच से दूर नहीं कहा जा सकता। लेकिन इसके लिये सन्देह एवं शंकाओं के घेरों को तोड़ना होगा। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों के सफाए के लिए भारतीय सेना और सुरक्षा बल के जवान लगातार मुहिम चला रहे हैं उनके प्रयासों को बिना राजनीति किये तीक्ष्ण एवं तीव्र करना होगा। इस बीच जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की है जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। जाहिर है पाकिस्तान कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने के लिए सीमा पार से साजिशें कर रहा है। इसलिए जम्मू कश्मीर में भारतीय सेना और सुरक्षाबलों को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है ताकि आतंकवादी कश्मीर घाटी में फिर ऐसी आतंकी घटना की पुनरावृत्ति न कर पाए। जनता ने स्पष्ट जनादेश देकर यह संदेश दिया कि घाटी में लोकतंत्र महके, ना कि दहके। यह जनादेश आतंकवाद और अलगाववाद से मुक्ति की चाहत का परिणाम है। राज्य की जनता ने अपनी उम्मीदों को लेकर सरकार चुनी और नैशनल कांफ्रेंस पर भरोसा जताया। नई सरकार के सामने जनता की उम्मीदों को पूरा करने की चुनौती तो है ही, सबसे बड़ी चुनौती तो आतंकवाद को जड़ से खत्म करना और ऐसा वातावरण सृजित करना है जिसमें आम आदमी खुद को सुरक्षित महसूस करे और इस क्षेत्र में विकास की धारा के साथ कदम से कदम मिलाकर चले।

रियल एस्टेट को डेटा सुरक्षा कानून पर ध्यान देने की आवश्यकता

ललित

तेजी से डिजिटल होती दुनिया में, वाणिज्य का हर पहलू ऑनलाइन व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करता है। रियल एस्टेट उद्योग कोई अपवाद नहीं है, जिसमें खरीद और बिक्री तेजी से ऑनलाइन हो रही है। डिजिटल क्रांति को देखते हुए, रियल एस्टेट कंपनियों द्वारा संभावित गोपनीयता उल्लंघनों के खिलाफ व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के लिए व्यक्तिगत डेटा के ऑनलाइन प्रसंस्करण को विनियमित करना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 इस संदर्भ में एक बहुत जरूरी कानून है। भले ही यह वर्तमान में लागू नहीं है और इसमें नियमों और अधिसूचनाओं को जारी करने की समयसीमा जैसे विशिष्ट संक्रमणकालीन प्रावधान शामिल नहीं हैं, लेकिन रियल एस्टेट उद्योग के भौतिक और डिजिटल दोनों हिस्सों को नियमों के लागू होने के बाद इसके प्रावधानों का पालन करना होगा। DPDP अनुपालन आवश्यकताओं, डेटा हैंडलिंग प्रथाओं और डेटा फिड्युसरी, डेटा प्रिंसिपल और डेटा प्रोसेसर के लिए संभावित कानूनी निहितार्थों में महत्वपूर्ण बदलाव पेश करता है। इसके लिए, यह सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 43ए और 87(2)(बी) को निरस्त करने और इसे डीपीडीपीए की धारा 44(2) से बदलने का प्रस्ताव करता है। परिणामस्वरूप, आईटी (उचित सुरक्षा अभ्यास और प्रक्रियाएं और संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा या सूचना) नियम, 2011 जो वर्तमान में भारत में व्यक्तिगत जानकारी के संग्रह और हैंडलिंग को नियंत्रित करता है, को भी निरस्त कर दिया जाएगा क्योंकि उन्हें आईटी अधिनियम के तहत अधिसूचित किया गया था। रियल एस्टेट के संदर्भ में डेटा फिड्युसरी में रियल एस्टेट फर्म और पोर्टल जैसे कि हाउसिंग डॉट कॉम, मैजिकब्रिक्स या जस्टडायल जैसी वेबसाइटें आदि शामिल होंगी। इसी तरह, डेटा प्रिंसिपल घर खरीदार, किराएदार, संपत्ति विक्रेता, मकान मालिक, एजेंट, ब्रोकर, डेवलपर, बिल्डर आदि होंगे, जिनका डेटा उनकी सहमति से एकत्र किया जाएगा। डेटा प्रोसेसर कोई भी थर्ड-पार्टी सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस कंपनी या डेटा फिड्युसरी की इन-हाउस प्रोग्रामिंग टीम होगी। अनुपालन आवश्यकताएँ शीर्ष न्यायालय के ऐतिहासिक पुट्टस्वामी निर्णय के परिणामस्वरूप, गोपनीयता के आधारभूत सिद्धांत जैसे सहमति, व्यक्तिगत डेटा का वैध और पारदर्शी उपयोग, उद्देश्य सीमा, डेटा न्यूनीकरण, डेटा सटीकता, भंडारण सीमा, उचित सुरक्षा उपाय और जवाबदेही ने DPDP अधिनियम में अपना रास्ता खोज लिया है। सहमति के लिए वैध और पारदर्शी नोटिस, धारा 5 रियल एस्टेट कंपनियों को कई भाषाओं में स्पष्ट गोपनीयता नोटिस प्रदान करते हुए डेटा प्रिंसिपलों से स्पष्ट रूप से सहमति प्राप्त करनी चाहिए। उन्हें सहमति के प्रमाण को पुनर्प्राप्ति योग्य तरीके से संग्रहीत करना होगा। धारा 6(4), और डेटा प्रिंसिपलों को डेटा के उद्देश्य, प्रकार और इच्छित उपयोग के बारे में सूचित करना होगा। प्रसंस्करण में संग्रह, भंडारण के साथ-साथ उपयोग भी शामिल होगा। उदाहरण के लिए, एक्स नाम की एक छात्रा साउथ दिल्ली में किराये की संपत्तियों की तलाश करने के लिए JustDial के मोबाइल ऐप पर पंजीकरण करती है। अपने Google खाते से पंजीकरण करके, एक्स अपने अनुरोध को संभालने के लिए JustDial को अपने व्यक्तिगत डेटा को संसाधित करने की सहमति देती है। इसलिए जस्टडायल से व्यक्तिगत डेटा के लिए अनुरोध के साथ या उससे पहले एक्स को एक अधिसूचना दी जानी चाहिए जिसमें एकत्रित की जाने वाली व्यक्तिगत जानकारी की रूपरेखा हो – जैसे कि उसका स्थान, फोन नंबर, Google प्रोफाइल इत्यादि – और इसे कैसे संसाधित किया जाएगा। उद्देश्य– अनुकूल दृष्टिकोण, धारा 6(1) रियल एस्टेट कंपनियों को डेटा प्रोसेसिंग को केवल विशिष्ट उद्देश्यों के लिए आवश्यक तक सीमित रखना चाहिए, विस्तृत डेटा हैंडलिंग प्रथाओं से अधिक केंद्रित दृष्टिकोण में संक्रमण करना चाहिए। उदाहरण के लिए, जब घर खरीदने वाला एक्स हाउसिंग पोर्टल ऐप वाई डाउनलोड करता है, तो यह एक्स से उसके स्थान तक पहुँचने के

लिए उसके डेटा को संसाधित करने की अनुमति माँगता है ताकि आस-पास बिक्री के लिए घरों की सिफारिशें की जा सकें, और उसके फोन पर संपर्क सूची तक पहुँच हो सके। एक्स जवाब देता है और दोनों अनुरोधों पर अपनी सहमति प्रदान करता है। DPDP में संदर्भित गोपनीयता सिद्धांतों के परिणामस्वरूप, उसकी सहमति केवल उसके स्थान को संसाधित करने तक सीमित होगी क्योंकि संपर्क सूची किसी भी उद्देश्य की पूर्ति नहीं करती है। भूल जाने का अधिकार, धारा 12(1) डेटा प्रिंसिपल अपने डेटा को सही करने या मिटाने के हकदार हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई किराएदार अब अपनी संपत्ति को Housing.com पर सूचीबद्ध नहीं करना चाहता है, तो अनुरोध करने पर उसका सभी संबंधित डेटा मिटा दिया जाएगा। रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण व्यक्तिगत डेटा को संभालने वाले रियल एस्टेट लेनदेन में पारदर्शिता और जवाबदेही को अनिवार्य करता है। इसलिए, DPDP की सख्त डेटा सुरक्षा आवश्यकताएँ व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षित रूप से संभालना सुनिश्चित करके RERA के पारदर्शिता लक्ष्यों को पूरक करेंगी। किसी न्यासी द्वारा दायित्वों का पालन न करने पर संभावित रूप से DPDP की अनुसूची I के अनुरूप निर्णय और/या दंड हो सकता है। प्रभाव और चुनौतियाँ DPDP के कार्यान्वयन से रियल एस्टेट उद्योग की डेटा हैंडलिंग प्रथाओं में सुरक्षा उपायों और जवाबदेही में काफी सुधार होगा।

नैनो-हाइड्राक्सीएपेटाइट प्रौद्योगिकी से संबंधित महत्वपूर्ण एवं युग-परिवर्तनीय अनुसंधान पर नितिन प्रताप वर्मा को डाक्टरेट (पी.एच.डी.) की उपाधि से नवाजा गया

पत्रकार सुजीत वर्मा

जौनपुर। झारखंड राज्य के ध नबाद शहर स्थित आईआईटी (आईएसएम संस्थान) में जल प्रदूषकों के विभिन्न स्वरूपों से संबंधित शोध विषय पर कार्यरत एवं सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात नितिन प्रताप वर्मा को डॉक्टरेट (पी.एच.डी.) की उपाधि से नवाजा गया। दिनांक 14 अक्टूबर, 2024 को संस्थान द्वारा आमंत्रित विशेषज्ञों के एक समूह द्वारा उनके स्वयं के चुने गए शोध विषय (शीर्षक– सिंथेसिस आफ ऐलम मॉडी फाइड बायोमिमिटिक नैनों–हाइड्रॉक्सी एपेटाइट एंड इट्स एप्लिकेशन इन डिफ्लोरिडेशन आफ ग्राउंडवाटर) पर गहन साक्षात्कार करने के पश्चात् उनकी योग्यता पर स्वीकृति की मुहर लग गई। उनके शोध उद्देश्यों की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार थीं

1) स्थिर बायोमिमेटिक नैनो–हाइड्रॉक्सीएपेटाइट और एलम डोप्ड–हाइड्रॉक्सीएपेटाइट का संश्लेषण और लक्षण वर्णन।

2) घरबार–गांव धनबाद में भूजल नमूनों की विशेषता और फ्लोराइड संदूषण के संदर्भ में डब्ल्यूक्यूआई का अनुमान।

3) नैनो–हाइड्रॉक्सी एपेटाइट और एलम–डोप्ड हाइड्रॉक्सी एपेटाइट का उपयोग करके भूजल के नमूनों का डीफ्लो राइडेशन।

इसके अतिरिक्त, नितिन प्रताप वर्मा, जी. सर्जीवियर लिमिटेड शाहजहांपुर कंपनी के अनुसंधान व विकास विभाग में बतौर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विभाग प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। इसके तहत नितिन प्रताप वर्मा अपने मूर्धन्य वैज्ञानिकों की टीम को लेकर नवीनतम एवं अभूतपूर्व आविष्कारों को पूर्णरूपेण कार्यान्वयन करने की दिशा में कृ तसंकल्प हैं।उनके इस उपलब्धि पर जिला जौनपुर के शाहगंज तहसील क्षेत्र के अंतर्गत इमामपुर ग्राम सभा के पूर्व प्रधान,पत्रकार,सभासद छेदी लाल वर्मा के पुत्र डॉक्टर नितिन प्रताप वर्मा को बधाइयां देते हुए क्षेत्र के लोग गौरव महसूस किया।

अश्लील वीडियो दिखाए जाने को लेकर दो समुदायों के बीच हुई मारपीट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मड़ियाहूं कोतवाली थाना क्षेत्र के रखवा बेलवा बाजार में गुरुवार देर शाम दो समुदाय के बीच हुई जमकर मारपीट हो गई। घटना में कई लोग घायल हो गए है।घटना की जानकारी होते ही देर रात मौके पर एसपी अजय पाल शर्मा समेत आला अधिकारी पहुंच गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।दो समुदाय के बीच विवाद को देखते हुए मौके पर पुलिस की तैनाती बढ़ाई गई,घायलों से अस्पताल में पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा ने की मुलाकात।पुलिस मारपीट करने वाले आरोपियों की तलाश में जुटी है। घटना के संबंध में शुक्रवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार मडियाहू विवेक कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के रखवा बेलवा गांव में पिंटू चौरसिया द्वारा एक बच्ची को सिगरेट वीडियो दिखाया गया जिसका बच्ची ने अपने परिजनों को बताया तो वहां दोनों पक्षों में मारपीट हो गई इसमें चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है थाने पर तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है।विधिक कार्रवाई की जा रही है मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने लगाई फांसी,मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मड़ियाहू कोतवाली क्षेत्र के बेलवा गांव में गुरुवार की रात एक युवक ने मकान के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। शुक्रवार सुबह जब युवक कमरे से नहीं निकला तो परिजनों ने खिड़की से झांक कर देखा तो युवक फांसी से लटक रहा था और उसकी मौत हो चुकी थी इसके बाद सूचना कोतवाली पुलिस को दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली क्षेत्र के बेलवा गांव निवासी शिव आसरे यादव (22) पुत्र उमेश यादव प्रतिदिन की भांति गुरुवार की रात खाना खाने के बाद अपने कमरे में अकेले सोने चला गया घर के अन्य परिजन बगल स्थित टिनशेड में सो गए। शुक्रवार की सुबह लगभग 6:00 बजे जब उमेश कमरे से बाहर नहीं निकला तो उसकी मां ने पहुंचकर किवाड़ खटखटाया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। इसके बाद मां ने पिता शिवआसरे से बेटे की कमरे से नहीं निकलने की बात बताई। परिजनों ने जब खिड़की से देखा तो वह फांसी से लटक रहा था। इसके बाद परिजन बदहवास हो गए और किवाड़ को तोड़ने का प्रयास किया लेकिन किवाड़ नहीं टूटा और घर पर रोने पीटने जैसा कोहराम मच गया। किसी ने सूचना मडियाहू कोतवाली पुलिस को घटना की जानकारी दिया इसके बाद पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचकर किवाड़ तुड़वाकर मृतक उमेश यादव के शव को फांसी से नीचे उतारा और आवश्यक लिखा पढ़ी करने के बाद शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार मडियाहू विवेक कुमार सिंह ने बताया कि युवक एक सप्ताह पहले मुंबई से लौटा था वह अपनी बीमारी से परेशान था इलाज के लिए जौनपुर घर आया था फांसी लगाने की सूचना सुबह पुलिस को मिली थी पुलिस ने मौके से शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बहुचर्चित विवेक यादव हत्याकांड का एक और आरोपी गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । बरसठी थाना क्षेत्र के बहुचर्चित विवेक यादव हत्याकांड में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी दीपक यादव निवासी मनौरा थाना बरसठी को शुक्रवार को पुलिस ने जेल भेज दिया। बीते 6 अक्टूबर की रात विवेक यादव का अपहरण कर उसकी निर्मम हत्या की गई थी। हत्यारों ने उसका शव भदोही जनपद के सुरियावां स्थित ठकुराइन तारा तालाब की झाड़ियों में फेंक दिया था, जिससे गांव में आक्रोश फैल गया। इस घटना के बाद 10 अक्टूबर को ग्रामीणों ने शव को निगोह बाजार में

रखकर चक्का जाम कर दिया था। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस पर पथराव हुआ, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए और कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने इस मामले में अब तक तीन दर्जन से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नवागत थाना प्रभारी राजेश यादव ने बताया कि आरोपी दीपक यादव की गिरफ्तारी मुखबिर की सूचना पर बरसठी रेलवे क्रासिंग से की गई। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। ग्रामीणों की मांग है कि हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि मृतक के परिवार को न्याय मिल सके। पुलिस ने भी आश्वासन दिया है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस महानिरीक्षक द्वारा मिशन शक्ति के तहत स्कूल की छात्राओं को किए गया जागरूक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद जौनपुर के थाना बदलापुर में पुलिस महानिरीक्षक वाराणसी के द्वारा मिशन शक्ति के तहत महिलाओ को जागरूक किया तथा उनकी समस्याओ पर भी वार्ता की। मौके पर पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शैलेन्द्र कुमार सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षकक्षेत्राधिकारी बदलापुर आयुष श्रीवास्तव, सहनोडल महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन क्षेत्राधिकारी शाहरुख खान व क्षेत्राधिकारी श्रीमती प्रतिमा वर्मा व प्रभारी निरीक्षक बदलापुर विनोद कुमार मिश्र की उपस्थिति में पुलिस कार्यालय व थाना बदलापुर में नियुक्त लगभग 36 महिला कर्मचारियो द्वारा माउन्ट लीट्रा पब्लिक स्कूल फहेजगंज थाना बदलापुर व एनपीएस पब्लिक स्कूल बरौली थाना बदलापुर की छात्राओ के साथ सभाध गोष्ठी करके लगभग 130 महिलाओंध बालिकाओं को जागरूक किया गया व समस्त हेल्पलाइन नं0 1090, 112, 1930, 108, 102, 181, 1076 से अवगत कराया गया एवं साइबर क्राइम से बचने के उपाय बताते हुए मिशन शक्ति के पम्पलेट प्रदान किया गया।

प्रगति भारत महोत्सव सही मायने में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सपनों को साकार करता है – नम्रता पाठक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आज का भारत समृद्ध भारत के थीम पर आधारित प्रगति भारत महोत्सव 2024 काशीराम स्मृति उपवन सांस्कृतिक स्थल बांग्ला बाजार लखनऊ में श्री बृजेश पाठक माननीय उपमुख्यमंत्री भारत सरकार की धर्मपत्नी श्रीमती नम्रता पाठक के कर कमलों द्वारा आरंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपराओं को निर्वहन करते हुए दीप प्रजलान के साथ हुआ। श्रीमती नम्रता पाठक द्वारा दीप प्रज्वलित करके प्रगति भारत महोत्सव 2024 की शुरुआत की गई दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष श्रीविनोद कुमार सिंह उपाध्यक्ष श्रीएनबी सिंह उपस्थित रहे। श्रीमती नम्रता पाठक को संस्था की विशेष परंपरा के अनुसार तुलसी का पौधा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। श्रीमती नम्रता पाठक ने प्रगति भारत महोत्सव 2024 के शानदार आगाज पर अपने संबोध ान ने कहा प्रगति भारत महोत्सव वास्तव में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सपनों को साकार कर रहा है। इस महोत्सव में छोटे–छोटे गांव कस्बों के तमाम उत्पाद महोत्सव में लगाए गए हैं। हर हाथ को कार्य मिले यही हमारे प्रधानमंत्री जी का सपना है जिसे वास्तव में संस्था के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार सिंह द्वारा संपन्न कराया जा रहा है ।मैं श्री विनोद कुमार सिंह एवं उपाध्यक्ष श्री एन बी सिंह को विशेष रूप से बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। आपका यह प्रयास निरंतर जारी रहे ताकि प्रदेश और देश तरक्की कर सके। संस्था के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर आए हुए सभी आगंतुकों का आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया श्री विनोद कुमार सिंह ने कहा की संस्था का उद्देश्य लोक संस्कृति एवं लोक कला को तथा पर्यावरण को संरक्षित रखना कि हमारे जीवन का लक्ष्य है। प्रगति भारत महोत्सव 2024 का आरंभ रिदम डांस फैक्ट्री के डायरेक्टर सागर शन के नेतृत्व में गणेश वंदना से हुआ तथा इसी ग्रुप द्वारा घूमर डांस सेमी क्लासिकल डांस एवं हरियाणवी डांस की प्रस्तुति दी गई कार्यक्रम को विद्या सिंह अंकित यादव प्रदीप यादव संध्या रूबी आकाश आंचल द्वारा प्रस्तुत किया गया। नृत्य मंथन स्कूल ऑफ डांस जिसकी फाउंडर अंकित बाजपेई के नेतृत्व में ,बजे अयोध्या में बधाई, चल तेरे इश्क में प्रस्तुत किया गया साक्षी अनम अर्पित कश्वी साक्षी आराध्या व आयत ने प्रस्तुतियां दी। प्रगति भारत महोत्सव 2024 में श्रीमती रागनी जायसवाल की संस्था द्वारा कई आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। संस्था के सभी बच्चों को आज की मुख्य अतिथि श्रीमती नम्रता पाठक द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। संस्था के उपाध्यक्ष श्री एन बी सिंह बताया कि प्रगति भारत महोत्सव 2024 के आगाज के साथ ही संस्था द्वारा लगातार जनहित के कार्यक्रम जारी रहेंगे श्री एनबी सिंह ने बताया कि प्रगति भारत महोत्सव 2024 में निशुल्क उपचार हेतु योग्य डॉक्टरों द्वारा कैंप लगाया गया है जिसका सभी लोग लाभ ले सकते है 24 अक्टूबर से 4 नवंबर तक चलने वाले प्रगति भारत महोत्सव में सभी का स्वागत है श्री सिंह ने विशेष रूप से आए कृष्णानंद राय जो पर्यावरण को लेकर पूरे समाज को साइकिल से यात्रा करके उत्साहित करते हैं उनको सम्मानित किया। प्रगति भारत महोत्सव 2024 के उद्घाटन समारोह में विशेष रूप से पार्षद श्रीकौशलेंद्र द्विवेदी, पार्षद श्रीकमलेश सिंह एवं पार्षद श्रीमानसिंह तथा श्रीमती प्रिया पाल विशेष रखी उपस्थित रहे।

फरियादियो को त्वरित न्याय दिलाना एंटी करेप्शन टीम की प्राथमिकता – अनिल सिंह

अयोध्या। शिकायत कर्ता द्वारा एंटी करेप्शन विभाग मे यदि किसी सरकारी कर्मी के खिलाफ दी गई शिकायत सही पाई जाती है। तो उक्त कर्मी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी। उसकी पहुंच क्यो न कितने ऊपर तक हो।यह बाते नवागत प्रभारी निरीक्षक एंटी करेप्शन अनिल कुमार सिंह ने कही। उन्होने बताया कि उनकी प्राथमिकता शासन के मंशानुरुप किसी भी व्यक्ति का काम बिना घूस लिये कराना है।उन्होने सभी विभागो मे सरकारी कर्मियो से अपील किया है कि वें बिना घूस लिये उनके मामलो का निस्तारण करें।

जिन लोगों के शिकायतों का निस्तारण सुविधा शुल्क न दिए जाने के चलते जिस विभाग में संबंधित कर्मचारियों द्वारा रोका गया हो इसकी शिकायत पुलिस लाइन स्थित एंटी करप्शन विभाग में उनके मोबाइल नंबर 9454401900 पर किसी भी कार्य दिवस में बेहिचक कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ताओं द्वारा की गई शिकायत सही होनी चाहिये।जिससे कि एंटी करप्शन टीम द्वारा दोषियों को खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही की जा सके वही निर्दोष कर्मियों को ना फसाया जाए। बताया जाता है नवजात प्रभारी निरीक्षक एंटी करप्शन अनिल कुमार सिंह की गिनती विभाग में स्थित तेज तर्रार अधिकारियों के रूप में की जाती है।बहराइच जिले के मूल निवासी जनपद में पद पर रहे अनिल कुमार सिंह ने भ्रष्टाचार में लिफ्ट कई कर्मचारियों को रंगे हाथों गिरफ्तार का जेल भेजा हुआ है बताते चले चले इससे पहले वह झांसी के अलावा प्रयागराज लखनऊ सीतापुर में भी रह चुके हैं।

मानवाधिकार में चलाया मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गुटका पान मसाला खाने से लगातार युवाओ को कैंसर की समस्या सामने आ रही है इसकी जद में युवा ही नहीं बुजुर्ग और बच्चे भी आ जा रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा अगर कैंसर का शिकार हो रहे हैं तो जौनपुर में बिकने वाला दोहरा नामक मादक पदार्थ सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। इसके लिए जिला प्रशासन समाज सेवी संगठन द्वारा लगातार मुहिम चलाया जा रहा है। इसके बावजूद जनपद में दोहरा खुलेआम दुकानों पर बिक रहा है जबकि इस पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी कड़ी में मानवाधिकार आयोग के रुपेश चौधरी भी दोहरे के खिलाफ मुहिम चलते हुए पुलिस अधीक्षक व जिला अधिकारी को मिलकर पत्र देते हुए कार्रवाई की मांग किया था। इस पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई भी की गई पुलिस अधीक्षक द्वारा वह प्रभारी विनीत राय के द्वारा टीम लगाकर कुछ दुकानदारों को उनके कारखाने से उठाया भी गया है। बावजूद इसके अब भी दोहरा दुकानों पर मिल रहा है। वर्तमान जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह को भी मानव अधिकार आयोग में लिखित रूप से अवगत कराया है जिसको लेकर जिला अधिकारी ने खाद्य सुरक्षा विभाग को इस मामले में कार्यवाही करने का निर्देश दिया है और बराबर खाद्य सुरक्षा औषधि द्वारा मीटिंग में इसे बंद दिखाया जा रहा है यह भी ज्ञात हो कि जिले में किसी के पास भी उक्त मादक पदार्थ को बेचने का कोई लाइसेंस जारी नहीं है इस मामले में मानवाधिकार की रुपेश चौधरी ने जल्द से जल्द उचित कार्रवाई करने की जिला प्रशासन से मांग किया है। जिससे युवाओं को समय मौत के कुएं में जाने से बचाया जा सके। रूपेश कुमार ने बताया कि इससे पूर्व जनपद में लगभग 14 से 15 व्यापारियों के ऊपर करवाई की गई थी लेकिन वो नाकाफी है। इससे बचाव के लिए मानवाधिकार आयोग द्वारा जनपद में विभिन्न डॉक्टर के यहां कैंप लगाकर लोगों को इससे होने वाली हानि के लिए जानकारी भी दिया जाता है।और बचाव के लिए प्रेरित भी किया जाता है।

'भक्ति कभी अभिमानी को स्वीकार नही करती – चित्रलेखा'

सुलतानपुर। कुड़वार ब्लॉक के पूरे लेदई में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथाव्यास चित्रलेखा ने गुरुवार को व्यासपीठ से कथा का रसपान कराते हुए कहा कि वैसे तो भक्ति में अभिमान का कोई स्थान नहीं है।भक्ति कभी अभिमानी को स्वीकार नहीं करती है। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण की लीला का वर्णन करते हुए भक्तों को भावविभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि सभी रंगों में काला रंग ऐसा है जो सभी रंगों पर भारी है। काले रंग में सभी रंग मिलकर काले हो जाते हैं। उसी प्रकार कन्हैया भी जो सभी के प्रिय हैं। कहा कि कन्हैया को मनाना आसान नहीं है। कहाकि कन्हैया ऐसा है जो देता नही छीन लेता है। जिसपर मेहरबान हो गया तो उसे छोड़ता नही है। भाजपा नेता रामचंद्र मिश्र के संयोजन मे चल रही श्रीमद्भागवत कथा।कुड़वार ब्लॉक के पूरे लेदई बहमरपुर गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा व्यास चित्रलेखा की ओर से गाये गए भजन पर श्रोता झूम उठे।उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के गोकुल दे मथुरा जाने का वृतांत सुनाया। उन्होंने कंस वध का वर्णन सुनाकर सभी की भावविभोर कर दिया।यहां पर सीताराम वर्मा विधायक लंभुआ,संजय सिंह त्रिलोक चन्दी,जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि व ब्लाक प्रमुख शिवकुमार सिंह,बीडीओ बल्दीराय वैशाली चोपड़ा (ज्वाइंट मजिस्ट्रेट) राजेश शुक्ल,पूर्व जिला मंत्री महेश सिंह,पूर्व मंडल अध्यक्ष यज्ञ प्रसाद सिंह,शशि कांत तिवारी,आयोजक भाजपा नेता रामचंद्र मिश्र ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया।यहां राममूरत मिश्रा,राम अवध मिश्र,राम अचल मिश्र,शुभम मिश्रा,प्रदीप शुक्ला,गांधी सिंह,मोंटी मिश्रा,शुभम् मिश्र, सुजीत मिश्र,राम शब्द मिश्रा,सुरेन्द तिवारी आदि रहे।

मॉडर्न और एस डी मेमोरियल स्कूल जाना बाजार के छात्रों ने किया विधान सभा का शैक्षिक भ्रमण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। शुक्रवार को मॉडर्न बेबी नर्सरी स्कूल और एस डी मेमोरियल प्लेवे स्कूल,जाना बाजार के सीनियर छात्रों ने उत्तर प्रदेश विधान सभा और विधान परिषद का शैक्षिक भ्रमण किया।इस अवसर पर छात्रों ने विध ायी कार्यप्रणाली को गहराई से समझा और राज्य की विधान प्रक्रिया में उपयोग होने वाली डिजिटल तकनीकों की सराहना की।

छात्रों को विधान सभा की कार्यवाही को नजदीक से देखने का अवसर मिला।जहां उन्होंने कानून निर्माण की प्रक्रिया और राज्य सरकार के कामकाज के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।विधान सभा में उपलब्ध हेलीकॉप्टर की सवारी ने छात्रों को विशेष रूप से आकर्षित किया, जिससे उनका उत्साह और बढ़ गया।गोशाईगंज विधायक अभय सिंह ने छात्रों के लिए लंच की विशेष व्यवस्था की गई थी।जो इस भ्रमण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था।इस शैक्षिक यात्रा के दौरान विद्यालय के महाप्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव,सत्य देव श्रीवास्तव, कौशल किशोर सिन्हा, अनूप वर्मा, और वर्षा श्रीवास्तव सहित कई छात्र छात्राये उपस्थित रहे। जिन्होंने छात्रों के इस अनुभव को और भी यादगार बनाया।

दवा इंडिया ने वित्त वर्ष 2024–25 के लिए उत्तरी भारत में बड़े विस्तार की घोषणा की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जोटा हेल्थकेयर लिमिटेड के तहत हेल्थकेयर उद्योग में अग्रणी दवाइंडिया, उत्तरी भारत में एक महत्वपूर्ण विस्तार अभियान की घोषणा की। लखनऊ के सफायर बैंक्वेट हॉल में एक विशेष लॉन्च समारोह में दवाइंडिया ने अपनी महत्वाकांक्षी विकास रणनीति का अनावरण किया। इस कार्यकम का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में स्थानीय स्तर पर जेनेरिक दवाओं के विस्तार को बढ़ाना और कम्पनी के सकारात्मक प्रभाव को उजागर करना था। उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाओं को सस्ती और सुलभ बनाने के अपने मिशन के हिस्से के रूप में, दवाइंडिया का लक्ष्य वित्त वर्ष 2025 के अंत तक उत्तर प्रदेश के प्रमुख जिला मुख्यालयों में ज्यादा से ज्यादा आउटलेट स्थापित करना है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 250+ सहित पूरे देश में 1,200 से अधिक आउटलेट संचालित करते हुए, जेनेरिक दवाइयों की पहुँच जनता तक बेहतर बनाने के अपने सशक्त प्रयास जारी रखता है। जोटा हेल्थकेयर लिमिटेड के ग्रुप सीईओ डॉ. सुजीत पॉल ने कहा, "हमारा मिशन हमेशा से हर भारतीय के लिए स्वास्थ्य सेवा को सुलभ और किफायती बनाना रहा है।" "उत्तरी भारत, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में यह विस्तार हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारा मानना है कि स्वास्थ्य सेवा एक मौलिक अधिकार है, और Change, Come out and vote और Careforall जैसी पहलों के माध्यम से, हम स्थायी सकारात्मक बदलाव को प्रेरित करने की उम्मीद करते हैं। हम उत्तरी भारत के लोगों के लिए समर्पण और सेवा का वही स्तर लाने के लिए रोमांचित हैं जिसके लिए दवाइंडिया पूरे देश में जाना जाता है। यह विस्तार, उत्तरी भारत में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के दवाइंडिया के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि किफायती स्वास्थ्य सेवा समाधान बड़ी आबादी तक पहुँचें। इस पहल में उत्तर प्रदेश के लिए विशेष कार्यक्रम शामिल होंगे, जैसे कि बैंदहम अभियान, जो वंचित समूहों को मुफ्त सैनिटरी पैड प्रदान करके और जागरूकता सत्र आयोजित करके मासिक धर्म स्वच्छता और महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देना। इसके अतिरिक्त, Come out and vote अभियान नागरिकों को उनके वोट के अधिकार का प्रयोग करने की याद दिलाकर नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। दवा इंडियां का Careforall अभियान भी इसके समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो जानवरों की देखभाल करता है और समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है।

हरियाँवा सुगर मिल में जिलाधिकारी ने किया पेराई सत्र का उदघाटन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने हरियावां शुगर मिल में विधि विधान से पूजा कर गन्ना पेराई सत्र का उदघाटन किया। पेराई साथ के उद्घघाटन के दौरान उन्होंने बैलगाड़ी, ट्रैक्टर व ट्रक से गन्ना लेकर आये किसानों को माला पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने किसानों को एक बाल्टी व कम्बल भेंट किया। उन्होंने किसानों से संवाद किया तथा पर्ची व्यवस्था को भी देखा।

इसके उपरांत उन्होंने क्रेशर में गन्ना डालकर गन्ना पेराई का औपचारिक उदघाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि व अन्य उपस्थित अतिथियों व किसानों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। जिलाधिकारी ने हरियावां चीनी मिल प्रबंधन को शुभकामनायें दी तथा कहा कि किसानों को पूरा सहयोग दिया

जाये। उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाये। उन्होंने गन्ना उत्पादकता में प्रदेश में कीर्तिमान बनाने वाले प्रगतिशील किसान नागेन्द्र सिंह व श्याम बहादुर को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया तथा उनके अनुभवों को सुना। कॉर्पोरेट हेड रोशन लाल टॉमक ने कहा कि किसान भाइयों की सुविधा के लिए श्रीराम शुगर मिल लिमिटेड की प्रत्येक यूनिट में सुविधा केन्द्र स्थापित किये गए हैं। इस अवसर पर यूनिट हेड प्रदीप त्यागी, यूनिट के अधिकारी गण व बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व किसान बंधु उपस्थित रहे।

महापौर ने शिक्षक संघ प्रतिनिधियो से मिलकर उनकी समस्याओ का समाधान करने का दिया आश्वासन

अयोध्या। डॉ राम मनोहर लोहिया आवासीय परिसर शिक्षक संघ द्वारा चल रहा धरना प्रदर्शन गुरुवार को आठवें दिन भी जारी रहा।इस धरने को समाप्त कराने के लिय विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधि ाकारियों ने अपने–अपने स्तर पर व्यक्तिगत प्रयास करते करते हुये दिखाई दिये।गुरुवार को सुबह साढे दस बजे एक बार फिर भारी संख्या में शिक्षक धरना स्थल पर पहुंचकर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी व प्रदर्शन करते हुये दिखाई दिये।प्रदर्शन मे डॉ0 राजेश कुमार सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता के समय डॉक्टर राम मनोहर लोहिया जैसे नेताओं और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जैसे बुद्धिजीवियों को समता लाने के लिए कितना संघर्ष करना पड़ा।ऐसे में हम शिक्षक इस महापुरुष के नाम पर स्थापित इस संस्थान में कार्य करते हुए उन्ही के पद चिन्हों पर चलते हुए अपने हक की मांग के लिए तब तक संघर्ष करेंगे जब तक कि हमारी मांगे मान नहीं ली जाती है।डॉ मनीष सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन गहरे संकट में है हमारी मांगे मानना उनके मजबूरी है।डॉ सुधीर प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग संस्थान की स्थापना से लेकर अब तक के विकास में वहां के शिक्षकों ने अपना तन मन एवं धन समर्पित किया है। लेकिन विश्वविद्यालय ने उसके बदले सिर्फ उनका शोषण ही किया है। यदि हमें न्यूनतम वेतनमान मिल जाता है तो हमारा भविष्य आगे की तरफ बढ़ निकलेगा।विश्व विध ालय में एक शुभम शैक्षिक वातावरण का निर्माण हो सके।इसी क्रम में दोपहर बाद नगर के प्रथम नागरिक गिरीश पत्र त्रिपाठी महापौर अयोध्या का प्रस्ताव वार्ता करने के लिए शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों के पास आया।शिक्षकों ने कहा कि हम तो समस्या की समाधान के लिए हर स्तर पर तैयार है परंतु विश्वविद्यालय के अड़ियल रवैये की वजह से समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।महापौर शिक्षक प्रतिनिधियों से मिले और वस्तु स्थिति को समझा और आस्वस्त किया कि वह जा रहे हैं कुलपति से बात करेगे।और निश्चित रूप से इस समस्या का समाधान कराएंगे।धरने में अध्यक्ष प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा,महामंत्री डॉ राणा रोहित सिंह, प्रो 0 विनोद कुमार श्रीवास्तव,डॉ विनोद कुमार चौधरी , डॉ सुधीर प्रकाश श्रीवास्तव , डॉ मनीष सिंह सहित सभी शिक्षक मौजूद रहे।

भाजपा ने फूलपुर से दीपक पटेल को बनाया प्रत्याशी

प्रयागराज, संवाददाता। भाजपा ने फूलपुर विधानसभा उप चुनाव के लिए दीपक पटेल को प्रत्याशी बनाया है। इसके साथ ही कई दिनों से चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। दीपक पटेल करछना से 2012 से 2017 तक बसपा के टिकट पर विधायक रह चुके हैं। दीपक की माता केशरी देवी पटेल फूलपुर लोकसभा क्षेत्र से 2019 में भाजपा से सांसद चुनी गई थीं। दीपक पटेल पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और फूलपुर की पूर्व सांसद केसरी देवी पटेल के पुत्र हैं। वे बसपा से 2012 में करछना विधानसभा से विधायक निर्वाचित हुए थे। उन्होंने सपा प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह को पराजित किया था। 2017 में बसपा ने फिर एक बार करछना विधानसभा से दीपक को प्रत्याशी बनाया था, लेकिन वह जीत नहीं पाए। दीपक 2018 में भाजपा में शामिल हुए।

भाजपाइयों ने दी उन्हें अग्रिम जीत की बधाई

आगामी 13 नवंबर को होने वाले फूलपुर उप विधानसभा के लिए दीपक पटेल को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने दीपक को बधाई दी। भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा और जिला अध्यक्ष गंगापार कविता पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह, महापौर गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, गुरु प्रसाद मौर्य, एमएलसी, सुरेंद्र चौधरी, जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी कहा कि भाजपा फूलपुर में प्रचंड बहुमत के साथ जीत हासिल करेगी। इसके साथ ही कुंज बिहारी मिश्रा, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, रमेश पासी देवेश सिंह,विवेक मिश्रा , बृजेश त्रिपाठी,विवेक अग्रवाल, राजू पाठक गिरजेश मिश्रा राघवेंद्र सिंह प्रशांत शुक्ला, राकेश भारती राजेश गोंड, कुलदीप मिश्रा दीप द्विवेदी आदि ने दीपक को बधाई दी।

सपा ने मुज्तबा और बसपा ने जितेंद्र सिंह पर लगाया है दांव

फूलपुर उप चुनाव के लिए अब सभी प्रमुख दलों के प्रत्याशी मैदान में आ चुके हैं। सपा ने पूर्व विधायक मुज्तबा सिद्दीकी को अपना प्रत्याशी बनाया है। मुज्तबा 2022 में भी सपा से प्रत्याशी थे और भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल से पराजित हो गए थे। मुज्तबा ने बुधवार को अपना नामांकन पत्र भी दाखिल कर दिया है। इसी तरह बसपा ने जितेंद्र सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। वह बृहस्पतिवार को नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं।

साइकिल चलाने निकला था मासूम, रस्सी से गला दबाकर कर दी गई हत्या

देवरिया, संवाददाता। नंदग्राम थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ी निवासी आठ साल के बच्चे आकाश का शव बुधवार सुबह आठ बजे सिटी फॉरेस्ट के पास पड़ा मिला। आकाश मंगलवार शाम को साइकिल चलाने के लिए घर से निकला था। बुधवार सुबह मां ललिता को आकाश का शव मिला तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस की जांच में रस्सी से गला दबाकर हत्या करने की बात सामने आई है। मूलरूप से देवरिया के सलेमपुर के गांव पिपरा भानमती निवासी ललिता ने नंदग्राम थाने में बुधवार दोपहर मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि वह नंदग्राम में छीनू के मकान में पांच साल से किराये पर रह रही हैं। मंगलवार शाम करीब सात बजे आकाश घर से साइकिल चलाने के लिए गया था। बुधवार सुबह वह उसकी तलाश में निकलीं तो सिटी फॉरेस्ट के पास उसका शव पड़ा मिला। उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी। डीसीपी सिटी राजेश कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की जा रही है। संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, आकाश के पिता का देहांत हो चुका है। मां ललिता मजदूरी करके पालन पोषण करती हैं। आकाश को एक बड़ी व एक छोटी बहन हैं। आकाश तीसरी कक्षा में नंदग्राम क्षेत्र में ही एक स्कूल में पढ़ता था। दोनों बहनों व मां का रो–रोकर बुरा हाल है।

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर, संवाददाता। रेलवे ग्रुप डी में नौकरी लगवाने के नाम पर छह लाख रुपये लेकर फर्जी नियुक्ति पत्र देने व वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को झंगहा पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। तेंदुआ खुर्द गांव निवासी विनय कुमार शुक्ला उर्फ पुनीत शुक्ला को पुलिस ने भोपा बाजार चौराहे से चार पहिया वाहन के साथ गिरफ्तार किया। वाहन को एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया। विनय के विरुद्ध एसएसपी ने पांच हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया था। उस पर तेंदुआ खुर्द गांव निवासी प्रेम शंकर शर्मा, शशि कपूर शर्मा और अरविंद चौहान से रेलवे ग्रुप डी में नौकरी दिलवाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति से छह लाख रुपये की मांग की थी। आरोप है कि विनय ने लोगों से 4.90 लाख रुपये खाते में, 1.10 लाख रुपये नकद, आधार कार्ड और सादे कागज पर अंगूठा लगवा लिया।

बमबाजी से दहशत, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

भदोही, संवाददाता। ज्ञानपुर के गोपीगंज कोतवाली स्थित ध्नीपुर गांव निवासी डीघ ब्लॉक संचालन समिति प्रमुख मनोज मिश्रा के आवास पर बाइक सवार तीन हमलवारों ने बम से हमला कर दिया। बम उनके दो मंजिले आवास की दूसरी छत के दिवाल पर टकराई। बताया जा रहा है कि हमलवारों का निशाना मनोज मिश्रा के कमरे में लगी एसी के बाहरी हिस्से पर था। पूरे मामले को लेकर गांव में दहशत है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस पटाखे से हमला किए जाना बता रही है। मामले में सीसी टीवी से छानबीन की जा रही है। संचालन समिति प्रमुख ने पुलिस को तहरीर देकर शिकायत दर्ज करायी है। निषाद पार्टी के बाहुबली पूर्व विधायक विजय मिश्रा के भतीजे व डीघ ब्लॉक के प्रमुख मनीष मिश्रा इस समय दुष्कर्म समेत अन्य मामले में जेल में बंद हैं। डीघ ब्लॉक का संचालन त्रिस्तरीय संचालन समिति की कर रही है। संचालन समिति के प्रमुख मनोज मिश्रा के धनीपुर स्थित आवास के सामने रात करीब डेढ़ बजे तीन बाइक सवार पहुंचते हैं। बाइक पर सबसे पीछे बैठा युवक बाइक से उतर कर एक के बाद एक दो बम डीघ ब्लॉक संचालन समिति प्रमुख मनोज मिश्रा के आवास की ओर फेंकता है। जिसके बाद तीनों बाइक से हाईवे का रोड पकड़कर फरार हो जाते हैं। बम के हुए तेज धमाके से मनोज मिश्रा का पूरा परिवार व आसपास के लोग सहम जाते हैं। बाहर निकलकर जब वे देखते हैं तो तेज धुंए का असर बना हुआ था। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय चौकी प्रभारी को दी। चौकी प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन की। बताया जा रहा है कि हमलवारों का निशाना मनोज मिश्रा के कमरे में लगी एसी के बाहरी हिस्से पर था, लेकिन एक बम एसी के मात्र एक फीट ऊपर लगा है। वहीं एक बारजे के ऊपरी हिस्से में जा टकराया। दोनों के निशान पर दिवाल पर बने हुए हैं। वहीं आवास के बाहर शीशों का छर्रा बिखरा पाया गया। मौके पर पुलिस की टीम पहुंची और जांच पड़ताल कर रही है। इस संबंध में एसपी डॉ. मीनाक्षी कात्यायन का कहना है कि शरारती तत्वों ने आवास पर पटाखा फेंका है। सीसी टीवी से उनकी पहचान नहीं हो पा रही है। जांच जारी है।

वरुणा से निकलने वाले प्लास्टिक से भी अब कमाई करेगा नगर निगम

वाराणसी, संवाददाता। वरुणा नदी को सुंदर बनाने के लिए नगर निगम ने एक संस्था से अनुबंध किया है, जो नदी से प्लास्टिक कचरे को निकालेगी। इससे न केवल पर्यावरण के लिहाज से नदी साफ होगी बल्कि निकलने वाले प्लास्टिक को रिसाइकिल कर दोबारा इस्तेमाल करने लायक बनाया जाएगा।

इससे निगम को आय भी होगी। इसके लिए वरुणा पार क्षेत्र में एक सेंटर खोला गया है। प्रतिदिन 250 से 300 किलो प्लास्टिक वरुणा नदी से निकल रहा है। जिसे एकत्र करने के लिए नगर निगम की ओर से 15 सफाई कर्मचारियों को लगाया गया है। जो वरुणा किनारे सफाई अभियान में जुटे हैं। पिछले दिनों प्लास्टिक फिशर नामक एक जर्मन कंपनी ने प्लास्टिक कचरा एकत्र किया था। पिछले एक साल में कंपनी ने 38 टन प्लास्टिक एकत्र किया था। इसे रिसाइकिल दोबारा इस्तेमाल में लाया जाता है। कंपनी के एक सदस्य ने बताया कि हमारा ये प्रोजेक्ट वाराणसी में एक साल से चल रहा है। हमारी टीम के 13 लोग इस काम में लगे हुए हैं।

रिसाइकिल प्लास्टिक से बनेंगे बोर्ड्स, फर्नीचर और टाइल्स

प्लास्टिक को एकत्र करने के बाद उसे शेड में ड्राई किया जाता है। मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर में भेजने के बाद रिसाइकिल वेस्ट को अलग किया जाता है। नॉन रिसाइकिल और सिंगल यूज प्लास्टिक को अलग किया जाता है, जिसे सीमेंट प्लांट में भेजा जाता है। इन प्लास्टिक को बोर्ड्स, फर्नीचर और टाइल्स बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।

बोले अधिकारी

वरुणा को साफ करने के लिए एक संस्था के साथ अनुबंध किया गया है। जो वरुणा नदी से प्लास्टिक निकालेगी। इससे पर्यावरण बेहतर होगा और प्लास्टिक का दोबारा इस्तेमाल करने से कमाई होगी।

पूर्व विधायक विजय मिश्रा और बेटे पर मुकदमा

भदोही, संवाददाता। सपा और निषाद पार्टी के पूर्व विधायक विजय मिश्रा व उनके बेटे विष्णु मिश्रा पर गुरुवार को गोपीगंज कोतवाली में दो अलग–अलग मुकदमा दर्ज किया गया। दुष्कर्म के दोषी पूर्व विधायक विजय मिश्रा इस समय आगरा जेल में सजा काट रहे हैं। इन पर तीन दर्जन मुकदमे पहले ही दर्ज हैं। वहीं सम्पत्ति हड़पने समेत अन्य मामलों में उनका बेटा विष्णु बरेली जेल में बंद हैं। बेटे के ऊपर भी करीब आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। सपा व निषाद पार्टी के पूर्व विधायक विजय मिश्रा को बीते साल कोर्ट ने युवती के दुष्कर्म का दोषी पाते हुए 15 साल कैद की सजा सुनाई। रिश्तेदार की संपत्ति हड़पने, हत्या, लूट, डकैती समेत कुल तीन दर्जन से अधिक मामलों में आरोपी पूर्व विधायक विजय मिश्रा और उनके बेटे विष्णु मिश्रा इस समय जेल में बंद हैं।

शस्त्र लाइसेंस हो गया था निरस्त

पुलिस पूर्व विधायक को 2020 और उनके बेटे विष्णु को 2021 में गिरफ्तार किए गए। उसके बाद से ही दोनों अलग–अलग जेल में बंद हैं। इधर, उनकी मुश्किल और बढ़ती जा रही है। गुरुवार को गोपीगंज कोतवाली में बाप–बेटे के खिलाफ शस्त्र लाइसेंस निरस्त होने के बाद भी असलहा जमा न करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया। जिला मजिस्ट्रेट की अदालत ने पूर्व विधायक व उनके बेटे के नाम जारी दो राइफल और एक रिवॉल्वर का लाइसेंस 18 मार्च 2021 को निरस्त कर प्रभारी निरीक्षक गोपीगंज को असलहा जमा कराने का निर्देश दिया था। पुलिस द्वारा जेल में निरुद्ध विजय मिश्रा व विष्णु मिश्रा को 21 जून 2024 को नोटिस तामील कराते हुए असलहा व लाइसेंस बुक जमा करने को कहा गया, लेकिन आज तक असलहा व लाइसेंस बुक जमा नही कराया गया। जिला मजिस्ट्रेट के आदेश का उल्लंघन करने पर गुरुवार को पिता–पुत्र के खिलाफ दो अलग–अलग मुकदमा दर्ज किया गया। एएसपी डॉ. तेजबीर सिंह ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट के आदेश के उल्लंघन में पूर्व विधायक विजय मिश्रा व उनके बेटे विष्णु मिश्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

आईटीआई में 438 पदों पर अनियमित नियुक्ति, प्रमोशन भी किया, हाईकोर्ट पहुंच गया मामला

प्रयागराज, संवाददाता। प्रदेश भर की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और सेवायोजन कार्यालयों में समूह ग और घ के 438 पदों पर हुई नियुक्ति को अनियमित बताकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। आरोप है कि अनियमित नियुक्ति के बाद प्रमोशन भी कर दिया गया है। आईटीआई और सेवायोजन के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए 2003 में योजना बनी। प्रधानाचार्यों और क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारियों को तत्कालीन निदेशक डॉ. गुरुदीप सिंह और अपर निदेशक दीपक कुमार ने भर्ती की अनुमति दे दी। 2003 से 2006 से प्रदेश भर में भर्ती हुई। अधिकतर आईटीआई और सेवायोजन कार्यालयों में बिना विज्ञापन निकाले और मानक के विपरीत अपने सगे संबंधियों की नियुक्ति कर कर ली गई। हाईकोर्ट में 18 अक्तूबर को याचिका दाखिल करने वाले प्रतापगढ़ आईटीआई में तैनात वरिष्ठ लिपिक सुनील गुप्ता के मुताबिक, बरेली में बिना पद के ही 13 नियुक्ति कर ली गई। ऐसे ही लखीमपुर खीरी में तीन पदों के सापेक्ष 11 की नियुक्ति कर ली गई। मथुरा में दो पद के सापेक्ष चार, मिर्जापुर में दो पद के सापेक्ष तीन और प्रयागराज में एक पद के सापेक्ष तीन नियुक्ति की गई थी।

नियुक्ति करने का तरीका गजब था। पहले रिक्त पद के सापेक्ष भर्ती करते और एक महीने बाद उसका तबादला कर देते। फिर उसी पद पर दूसरे को नियुक्त कर लेते। ऐसे ही कई जिलों में एक– दो रिक्त पदों के सापेक्ष कई भर्तियां हुई। आरोप लग कि मामले में प्रधानाचार्य से लेकर निदेशक तक मिलीभगत थी। बाद में इसकी शिकायत हुई। उसके बाद तत्कालीन निदेशक हरिशंकर पांडेय ने मामले की जांच के लिए अपर निदेशक राहुल देव, वित्त नियंत्रक जेके पांडेय और वरिष्ठ शोध अधिकारी डीके प्रसाद की टीम बनाई। तीनों अधिकारियों ने 166 पेज की जांच रिपोर्ट सौंपी। निदेशक हरिशंकर पांडेय ने 11 अगस्त 2010 को दोषियों के खिलाफ रिपोर्ट शासन को भेज दी। उन्होंने लिखा कि निदेशक डॉ. गुरुदीप सिंह और अपर निदेशक दिलीप कुमार के साथ मिलकर 20 आईटीआई के प्रधानाचार्य व सेवायोजन अधिकारियों ने 438 लोगों की अनियमित नियुक्ति की है। लिखा कि अवैध धन वसूली करके अयोग्य अभ्यर्थियों की नियुक्ति कर दी गई है। इससे शासन को गंभीर वित्तीय क्षति पहुंच रही है। उन्होंने नियुक्ति निरस्त करने और अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की थी। लेकिन, अब तक कार्रवाई नहीं हुई। इन सभी के वेतन पर हर महीने करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं।

विभागीय जांच में इनपर लगे थे अनियमित नियुक्ति के आरोप

आईटीआई मेरठ के प्रधानाचार्य राजेंद्र प्रसाद, प्रयागराज के एसबी सिंह, बांदा के पीके शाक्यवार, सुल्तानपुर के डीके सिंह, मऊ के एम नसीमुद्दीन, मुरादाबाद के संजय किशोर, बरेली के अली हुजूर, नोएडा के वीपी सिंह, सहारनपुर के योगेंद्र सिंह, विभागीय जांच रिपोर्ट में अनियमित नियुक्ति करने के आरोप लगे थे।

गोरखपुर में दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस की टीम पर हमला

गोरखपुर, संवाददाता। हरनामपुर ग्रामसभा के भरौहिया टोला में दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला हो गया। हमले में प्रशिक्षु दरोगा और सिपाही का सिर फूट गया। गंभीर हालत में उन्हें सीएचसी पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार कर डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिसकर्मियों को रचित हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उधर, घटना की सूचना मिलते ही एसपी उत्तरी पुलिस फोर्स के साथ गांव में पहुंचे और जांच पड़ताल की। मामले में हमला करने के आरोपी परिजनों पर पुलिस केस दर्ज करने की तैयारी कर रही है। हरनामपुर गांव के भरौहिया टोला निवासी राहुल निषाद पर कैंपियरगंज थाने में दुष्कर्म का केस दर्ज है। बुधवार रात आठ बजे पुलिस उसे गिरफ्तार करने घर पर पुलिस पहुंची। आरोप है कि वहां परिजनों ने हाथापाई शुरू कर दी। परिजनों ने धावा बोलकर सिपाही अजीत और प्रशिक्षु एसआई सचिन को मारपीट कर घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया था, लेकिन वह भाग निकला। पुलिस के अनुसार, शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए एक लड़की ने राहुल पर केस दर्ज कराया है। लड़की का कोर्ट में बयान कराने के बाद मछलीगांव पुलिस चौकी की फोर्स के साथ गिरफ्तारी करने गई थी। परिजनों का आरोप है कि उनके साथ पुलिस ने दुर्व्यवहार किया है। इस संबंध में एसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि घायल पुलिसकर्मी खतरे से बाहर हैं। हमला करने वाले परिजनों पर कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सवार युवक पर चाकू से हमला

कुशीनगर, संवाददाता। बाजार से लौटते समय बुधवार की देर शाम बाइक सवार युवक को रास्ते में घेरकर उस पर चाकू से हमला कर दिया। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी और उसे सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस ओवरटेक करने को लेकर वारदात का दावा कर रही है। युवक के घर वाले घटना का कारण नहीं बता पा रहे हैं।

कसया थाना क्षेत्र के भैंसहा गांव निवासी कैफ (24) देर शाम को बाइक से सामान खरीदने चकदइया गया था। लौटते समय रास्ते में बाइक सवार युवकों को ओवरटेक किया। श्यामपुर गांव के सामने आरोपियों ने कैफ को रोक लिया और चाकू से हमला कर दिया। युवक के शोर मचाने पर लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। घायल युवक का इलाज चल रहा है।

पुलिस की जांच में ओवरटेक करने का मामला सामने आया है, जबकि घर वाले घटना का कारण नहीं बता पा रहे हैं। अस्पताल पहुंचे कुछ युवक विवाद की वजह गुटबाजी बता रहे थे।

सीओ कुंदन सिंह ने बताया कि बाइक ओवरटेक करने को लेकर बाइक सवार युवक पर हमला हुआ है। इसकी जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सड़क और पथ प्रकाश पर खर्च होंगे 12 करोड़

कुशीनगर, संवाददाता। मुख्यमंत्री नवसृजित योजना के तहत फाजिलनगर नगर पंचायत में सड़क, नाली और पथ प्रकाश पर 12 करोड़ रुपये खर्च होंगे। आठ करोड़ से सड़क व नाली, दो करोड़ से पथ प्रकाश और दो करोड़ रुपये पेयजल और तालाब के सुंदरीकरण पर खर्च होंगे। कुछ मोहल्लों में सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो गया। करीब आठ मोहल्ले के लोगों को सहूलियत होगी। एक जनवरी 2025 से पहले सभी कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। आदर्श नगर पंचायत फाजिलनगर मोहल्ले की अधिकांश सड़कें कच्ची थीं।

बोर्ड की बैठक में नगर पंचायत प्रशासन की ओर से प्रस्ताव तैयार किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष शत्रुमर्दन शाही नगर विकास मंत्री से मिलकर बजट की मांग की थी। नगर विकास मंत्री की पहल पर नगर पंचायत को मुख्यमंत्री सृजन योजना के तहत बजट स्वीकृत किया गया। नगर पंचायत के आठ मोहल्ले में 20 सड़क, नाली और सभी मोहल्लों में लाइटें लगाई जाएंगी। पांच करोड़ रुपये की पहली किस्त मिल चुकी है। सड़कों का निर्माण चल रहा है। इसी महीने में बाकी बजट भी मिलने की उम्मीद है। कस्बे के लोगों को नाला निर्माण पूरा होने के बाद जलभराव से स्थायी निजात मिल जाएगी। छठिहाव में बने नौका बिहार का सुंदरीकरण भी कराया जाएगा। काफी दिनों से कस्बे के लोग सड़क, पेयजल, नाली और पथ प्रकाश से महरूम थे। नगर पंचायत बनने के बाद से लोग इसकी मांग कर रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

बेंगलुरु से आने वाली फ्लाइट में बम की फर्जी सूचना

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर एयरपोर्ट पर अचानक बृहस्पतिवार दोपहर में हड़कंप मच गया। बंगलुरू से गोरखपुर आने वाली फ्लाइट अकासा में बम होने की सूचना से एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया। एक्स के माध्यम से ये सूचना किसी ने दी थी। संज्ञान लेकर गोरखपुर पुलिस ने एयरपोर्ट पर चेकिंग अभियान चलाया। बम जैसी कोई आपत्तिजनक चीज फ्लाइट में नहीं मिली। अकासा एयरलाइंस एम्स थाने में इस फर्जी सूचना दो लेकर केस दर्ज कराएगी।

गैंगस्टर की जब्त जमीन पर भी होने दी प्लाटिंग

गोरखपुर, संवाददाता। गैंगस्टर एक्ट में ओमप्रकाश पांडेय की जब्त भूमि पर प्लाटिंग कैसे हुई, किसने इसकी अनुमति दी और कौन दोषी है। तहसील प्रशासन इसकी जानकारी नहीं दे रहा है। मामले की जांच कर रहे एसपी सिटी रिपोर्ट देने के लिए सदर तहसील प्रशासन को तीन रिमाइंडर भेज चुके हैं। देरी की वजह अधिकारियों की व्यस्तता बताई जा रही है। मोहद्दीपुर निवासी ओमप्रकाश पांडेय पर भूमि बेचने का झांसा देकर ठगी करने के कई केस दर्ज होने के बाद कैंट थाने की पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की थी। थानेदार की रिपोर्ट पर जिलाधिकारी ने ओमप्रकाश के मकान व भूमि के साथ ही सभी संपत्ति को जब्त करने का आदेश दिया था। मोहद्दीपुर स्थित मकान को सील करने के बाद तहसीलदार सदर ने एक मई 2023 को महादेव झारखंडी टुकड़ा नंबर– दो में स्थित ओमप्रकाश के हिस्से की 54 डिस्मिल भूमि को जब्त किया था। जिलाधिकारी ने तहसीलदार को रिसीवर नियुक्त किया था। जब्ती की कार्रवाई के बाद तहसील प्रशासन ने डुगडुगी पिटवाकर आसपास के लोगों को कार्रवाई की जानकारी देने के साथ ही भूमि पर बोर्ड भी लगवाया था, जिसे हटाकर मोहल्ले में रहने वाले कुछ लोगों ने प्लाटिंग कर दी। जमानत पर छूटने के बाद ओमप्रकाश ने अधिकारियों को इसकी जानकारी दी तो हड़कंप मच गया। आनन–फानन में बैकहो लोडर से ईंट हटा दी गई। अधिकारियों के निर्देश पर एसपी सिटी अभिनव त्यागी इस मामले की जांच कर रहे हैं।

ज्वेलरी की दुकान से चोरी करने वाली नकाबपोश महिला पर केस

गोरखपुर, संवाददाता। सराय गुलरिहा में नकाबपोश महिला ज्वेलरी की दुकान से सोने की अंगूठियों से भरा डिब्बा लेकर फरार हो गई थी। दुकानदार की तहरीर पर मंगलवार को गुलरिहा पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है। चिलुआताल क्षेत्र के नकहा नंबर एक निवासी रवि वर्मा ने सराय गुलरिहा निवासी भरत के मकान गोरखपुर महराजगंज फोरलेन पर स्थित है, वहां रवि ज्वेलर्स के नाम से दुकान चलाते हैं। मंगलवार दोपहर दो बजे दुकान पर एक नकाबपोश महिला दुकान में पहुंची। गहने देखने के दौरान महिला ने काउंटर में रखा 12 सोने की अंगूठियों से भरा डिब्बा लेकर फरार हो गई थी।

नहर में डूबकर महिला और मासूम की थम गईं सांसें

बलिया, संवाददाता। तुर्तीपार मुख्य नहर के समीप कमरौली फाटक के पास स्कूटी के नहर में गिरने मां और बेटे की मौत हो गई है। घटना सिकंदरपुर राजवाहा छितौना फाटक के पास बीती रात दस बजे की बताई जा रही है। मृतक नगरा थाना क्षेत्र के पड़सरा जुडन गांव निवास बताए जा रहे हैं। मृतका का नाम शब्बो परवीन (27) पत्नी जुबेर अहमद सिद्दकी और उसके पुत्र का नाम अब्बास सिद्दकी (5) है। शब्बो परवीन अपने ज्येष्ठ के पुत्र अफसर सिद्दकी (22) के साथ आजमगढ़ में डॉ. दानिश के यहां दवा लेने गई थी। मालीपुर से आते समय छितौना हेड के पास तेज रफ्तार स्कूटी अनियंत्रित होकर नहर में चली गई। जिससे पानी में डूबने से मां और उसके मासूम बेटे की मौत हो गई है। दोनों का शव इंदासो गांव के पास नहर में मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर से पिता–पुत्र की मौत, पत्नी गंभीर

गोरखपुर, संवाददाता। राजधानी मार्ग पर जेपीएस स्कूल के पास बुधवार सुबह 6 बजे अनियंत्रित ट्रैक्टर–ट्रॉली ने बाइक सवार दंपती और बच्चे को रौंद दिया। हादसे में पिता–पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतकों की पहचान जंगल गौरी नंबर दो उर्फ अमहिया निवासी सुरेंद्र प्रसाद, उनके 22 वर्षीय पुत्र विजय के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक, सुरेंद्र और उनकी पत्नी चंपा देवी मजदूरी करके जीवन यापन करती थीं। बुधवार सुबह दोनों साथ में काम के लिए निकले थे। तभी बेटा विजय बाइक लेकर आ गया और दोनों को झंगहा में ऑटो स्टैंड तक छोड़ने की बात कहते हुए बैठा लिया। अभी वह कुछ दूर ही गए थे कि जेपीएस स्कूल के पास अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्रॉली ने टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को राहगीरों की मदद से पुलिस एम्स लेकर गई, जहां पर पति और बेटे को जांच के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इधर, हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर–ट्रॉली छोड़कर फरार हो गया था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।